छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 174 ■ अम्बिकापुर, रविवार 05 जुलाई 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

सरगुजा में बाहरी एवं संदिग्ध व्यक्तियों का सत्यापन अनिवार्य करें

भाजपा ने कहा-अपराधियों के नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई करने की पहल हो

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारतीय जनता पार्टी, जिला सरगुजा के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक सरगुजा के नाम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर जिले में बाहरी एवं संदिग्ध व्यक्तियों के नियमित सत्यापन, सभी थानों में मुसाफिरी पंजी को अनिवार्य रूप से सक्रिय करने तथा अवैध एवं आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि हाल ही में 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' हत्या का आरोपी और 2001 से फरार कुख्यात गैंगस्टर शब्बीर आलम (साबिर) लंबे समय से अंबिकापुर के खरसिया नाका क्षेत्र में निवासरत पाया गया। इसे गिरफ्तार करने पहुंची झारखंड पुलिस की कार्रवाई के दौरान उसके फरार होने की घटना ने जिले की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। यह घटना इस बात का संकेत है कि बाहरी अपराधियों को स्थानीय स्तर पर संरक्षण एवं सहयोग मिल रहा है, जो कानून-व्यवस्था और आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए अत्यंत चिंताजनक है।

भाजपा ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि जिले के सभी थानों में मुसाफिरी पंजी को तत्काल प्रभाव से अनिवार्य रूप से संचालित किया जाए, ताकि बाहर से आने वाले प्रत्येक व्यक्ति का पूरा विवरण एवं सत्यापन दर्ज हो सके। साथ ही किराये के मकानों, लॉज, होटल, ढाबों एवं निजी प्रतिष्ठानों में रहने या कार्य करने वाले बाहरी व्यक्तियों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य किया जाए तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

भाजपा ने बस संचालन, गैरेज एवं परिवहन व्यवसाय से जुड़े संदिग्ध तत्वों पर विशेष निगरानी रखने, सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने, अंतर्राज्यीय सीमाओं पर स्थित चेक पोस्टों पर वाहनों की सघन जांच तथा अपराधियों को संरक्षण देने वाले स्थानीय नेटवर्क एवं सहयोगियों की पहचान कर उनके विरुद्ध भी कठोर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। भाजपा ने विश्वास व्यक्त किया कि, सरगुजा पुलिस अपराधियों एवं उनके सहयोगियों के विरुद्ध प्रभावी अभियान चलाकर जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करेगी तथा आम नागरिकों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करेगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला महामंत्री विनोद हर्ष, जिला उपाध्यक्ष मधुसूदन शुक्ला, निलेश सिंह, दिनेश शुक्ला, पीयूष त्रिपाठी, जन्मेजय पांडे, धनंजय मिश्रा, मनोज कंसारी, अभिमन्यु श्रीवास्तव, जतिन परमार, अमोघ कश्यप, सुधांशु चौबे, रवि विश्वकर्मा, सतीश विश्वकर्मा एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बिलासपुर के चक्कर से मुक्ति दिलाने अंबिकापुर में हो राजस्व मंडल की खंडपीठ

स्टेट बार काउंसिल ऑफ छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा के किसान, आदिवासी और आम नागरिकों को राजस्व संबंधी न्याय के लिए बिलासपुर दौड़ न लगाना पड़े, इसके लिये स्टेट बार काउंसिल ऑफ छत्तीसगढ़ ने मुख्यमंत्री से अंबिकापुर में राजस्व मंडल की खंडपीठ बनाने की मांग की है, ताकि सरगुजा संभाग के लाखों लोगों को त्वरित और सुलभ न्याय मिल सके।

स्टेट बार काउंसिल के अध्यक्ष प्रवीण गुप्ता द्वारा 4 जुलाई को मुख्यमंत्री के नाम भेजे गए पत्र के अनुसार, वर्तमान में सरगुजा संभाग के लगभग 5000 प्रकरण राजस्व मंडल बिलासपुर में लंबित हैं। सरगुजा संभाग में सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर-रामानुजगंज, कोरिया, एमसीबी और जशपुर सहित कुछ छह जिले आते हैं। संपूर्ण क्षेत्र मुख्यतः अनुसूचित जनजाति बहुल क्षेत्र हैं, जहां बड़ी संख्या में आर्थिक रूप से कमजोर और दूरस्थ अंचलों में रहने वाले निवास करते हैं। ये

पूरा क्षेत्र कृषि, वनोपज और मजदूरी पर निर्भर है। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया है कि जमीन, बंटवारा, नामांतरण जैसे मामलों में उलझे किसानों और ग्रामीणों को सुनवाई के लिए बिलासपुर जाना पड़ता है, इससे समय, धन और श्रम की अधिक हानि होती है, जो न्याय तक सहज पहुंच के संवैधानिक सिद्धांत के विपरीत है। एक आदिवासी किसान के लिए बिलासपुर जाने में लगने वाला किराया, रुकने-खाने और वकील का खर्च मतलब महीने भर की कमाई खत्म होना है।

खंडपीठ बनने से यह होगा फायदा

बार काउंसिल अध्यक्ष का तर्क है कि अंबिकापुर में खंडपीठ बनने से गरीब वादकारियों को होने वाली परेशानी, समय की बर्बादी से मुक्ति मिलेगी और आर्थिक भार जैसी परिस्थितियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। त्वरित न्याय की स्थिति बनने से हजारों की संख्या में लंबित प्रकरणों का जल्दी निपटारा होगा। बुजुर्ग, महिलाएं भी बिना किसी परेशानी के कोर्ट पहुंच सकेंगे।

जनता की आवाज बनी बार काउंसिल

बता दें कि, अभी छत्तीसगढ़ में राजस्व मंडल का प्रधान पीठ बिलासपुर में है और खंडपीठ रायपुर व जगदलपुर में हैं। सरगुजा जैसे बड़े संभाग, जहां छह जिले हैं वहां अभी तक राजस्व न्यायालय का खंडपीठ नहीं है। मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र में कहा गया है, इस दिशा में सकारात्मक पहल सरगुजा संभाग के समस्त नागरिकों, अधिवक्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों की लंबे समय से चली आ रही न्यायोचित मांग को पूरी करेगी।

कोर्ट ने 48 लाख नहीं देने पर पुलिस वाहन को कुर्क करने आदेश जारी किया

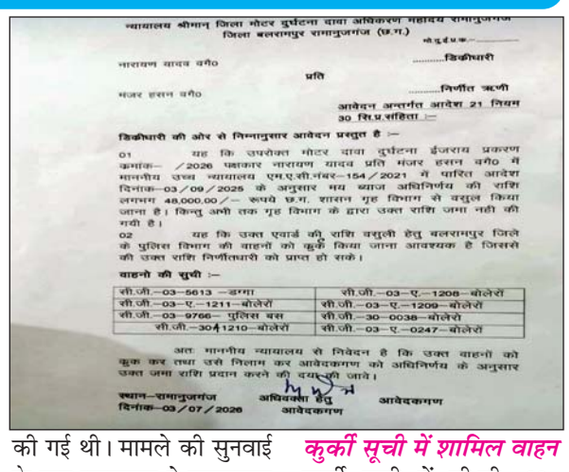

मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण में अवार्ड की राशि नहीं देने पर न्यायालय का अहम फैसला

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण में क्षतिपूर्ति राशि का भुगतान नहीं करने पर जिला मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, सत्र न्यायालय रामानुजगंज ने सख्ती दिखाते हुये पुलिस के द्वारा कैदियों के परिवहन उपयोग में लाये जाने वाले डग्गा वाहन को कुर्क करने का आदेश दिया है। न्यायालय के आदेश के पालन में उक्त वाहन को कुर्क कर लिया गया है। यह कार्रवाई जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के पीठासीन अधिकारी हेमंत सराफ के आदेश पर की गई है। जानकारी के मुताबिक, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण रामानुजगंज अंतर्गत नारायण यादव बनाम मंजर हसन प्रकरण में उच्च न्यायालय, एमएसी नंबर 154/2021 में उच्च न्यायालय का आदेश 03.09.2025 को पारित हुआ था। आदेश के अनुसार छत्तीसगढ़ शासन, गृह विभाग को मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण की राशि दी जानी थी, लेकिन इसमें हीलाहवाली की गई। डिक्रीधारी नारायण यादव सहित अन्य को ब्याज सहित लगभग 48 लाख रुपये छत्तीसगढ़ शासन गृह विभाग से वसूल करके भुगतान करने कहा गया है, लेकिन गृह विभाग के द्वारा उक्त राशि अभी तक जमा नहीं की है। राशि जमा नहीं करने पर डिक्रीधारी ने वरिष्ठ अधिवक्ता आर.के. पटेल के माध्यम से सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश-21 नियम-30 के तहत जिला मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण में निष्पादन याचिका प्रस्तुत की। याचिका में न्यायालय से शासन की संपत्ति कुर्क कर एवार्ड राशि की वसूली कराने की मांग की गई थी। मामले की सुनवाई के बाद न्यायालय ने बलरामपुर से रामानुजगंज न्यायालय तक कैदियों के परिवहन में उपयोग किए जाने वाले पुलिस के डग्गा वाहन को कुर्क करने का आदेश पारित किया है। आदेश के अनुपालन में संबंधित वाहन को कुर्क कर लिया गया है। पुलिस विभाग के आठ अन्य वाहनों, जिनमें बोलेरो वाहन एवं पुलिस बस भी शामिल हैं, का उल्लेख किया गया है। यदि शासन शीघ्र ही क्षतिपूर्ति राशि जमा नहीं कराता है तो न्यायालय इन वाहनों के कुर्की और आवश्यकतानुसार नीलामी की कार्रवाई कर सकता है। विधि विशेषज्ञ इस आदेश को न्यायालय के निर्णयों के प्रभावी पालन को सुनिश्चित करने तथा पीड़ित पक्ष को समयबद्ध न्याय दिलाने की दिशा में सख्त संदेश मान रहे हैं।

कुर्की सूची में शामिल वाहन

कुर्की सूची में सी.जी. 03-5613 डग्गा, सी.जी. 03-ए 1211 बोलेरो, सी.जी. 03-9766 पुलिस बस, सी.जी 30-1210 बोलेरो, सी.जी. 03-ए 1208 बोलेरो, सी.जी. 03-ए 1209 बोलेरो, सी.जी. 30-0038 बोलेरो, सी.जी. 03-ए 0247 बोलेरो वाहन शामिल हैं। बताया जा रहा है कि, इन वाहनों में कैदियों के परिवहन हेतु उपयोग में लाया जाने वाला वाहन भी शामिल है। 3 जुलाई 2026 को जारी इस आदेश के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि कुर्क किए गए वाहन को नीलाम करके डिक्रीधारी को राशि का भुगतान किया जाए। मामले में अब छत्तीसगढ़ शासन का गृह विभाग क्या कदम उठायेगा, यह जानना शेष है।

पटवारी से मारपीट करके शासकीय दस्तावेजों को छीना, 5 के विरूद्ध केस दर्ज

न्यायालय के आदेश पर भूमि बंटवारा के लिये नाप करते समय की घटना

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत न्यायालयीन आदेश के पालन में जमीन का नाप करने गये पटवारी से शासकीय दस्तावेजों को छीनकर मारपीट करने और शासकीय कार्य में व्यवधान पहुंचाने के मामले में पुलिस ने 5 आरोपियों के विरूद्ध नामजद अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम पंचायत लब्जी, हल्का नंबर 27 के पटवारी सुबोध लकड़ा पिता युसुफ लकड़ा न्यायालय नायब तहसीलदार कुन्नी, लखनपुर के आदेश दिनांक 25.06.2025 के परिपालन में न्यायालय के राजस्व प्रकरण के पक्षकार घनश्याम आ. स्व. भगू वगैरह के ग्राम कोटबर्रा स्थित भूमि का फर्द बंटवारा करने हेतु 02.07.2026 को ग्राम पंचायत लब्जी के ग्राम कोटबर्रा गये थे। बंटवारा की प्रक्रिया के दौरान जगदीश पिता बलदेव, बलदेव पिता बुढ़नसाय, विष्णु पिता बुढ़नसाय, सहत राम पिता घुराउ, कंतर पिता बराहील, सभी निवासी ग्राम सेलरा के द्वारा शासकीय कार्य में व्यवधान पहुंचाते हुये गाली-गलौज करते हुये जान से मारने की धमकी देकर, हाथ-मुक्का से मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया। इनके द्वारा पटवारी से शासकीय दस्तावेजों को छीन लिया गया एवं कर्तव्यों का निर्वहन नहीं करने दिया गया। घटना के समय गांव के संतोष, मनोज, घनश्याम, सहदेव, घासी सहित ग्राम सेलरा एवं कोटबर्रा के अन्य ग्रामीण उपस्थित थे। इनके द्वारा बीच-बचाव किया गया। इसकी जानकारी राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को देने के बाद पटवारी ने घटना की रिपोर्ट लखनपुर थाना में दर्ज कराई है, जिस पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध बीएनएस की धारा 115(2), 121, 191(2), 221, 296(इ), 351(3) का मामला दर्ज कर लिया है, और अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

रघुनाथपुर में अघोषित गोदाम से 242 बोरी उर्वरक जब्त

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशन जिले में किसानों को समय पर एवं उचित मूल्य पर कृषि आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी एवं अवैध भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए कृषि विभाग द्वारा लगातार सघन निरीक्षण अभियान संचालित किया जा रहा है।

कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन में कृषि विभाग द्वारा विकासखंड लुण्ड्रा के ग्राम रघुनाथपुर स्थित मेसर्स शुभम फर्टिलाइजर्स के अघोषित परिसर का कृषि विभाग की टीम ने उप संचालक कृषि पीतांबर सिंह दीवान के नेतृत्व में औचक निरीक्षण किया। इस दौरान पाया गया कि प्रतिष्ठान के प्रोपराइटर प्रदीप कुमार गुप्ता द्वारा विभाग को बिना पूर्व सूचना दिए अघोषित परिसर में बड़ी मात्रा में उर्वरकों का भंडारण किया गया था, जो उर्वरक नियंत्रण आदेश के प्रावधानों का उल्लंघन है। मौके पर जांच के दौरान टीम ने 148 बोरी यूरिया तथा 94 बोरी डी.ए.पी. सहित कुल 242 बोरी उर्वरक का अवैध भंडारण पाया। इस पर कृषि विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संपूर्ण उर्वरक को जब्त कर नियमानुसार सुरक्षित अभिरक्षा में लिया तथा पंचनामा तैयार कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।

उप संचालक कृषि पीतांबर सिंह दीवान ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार खरीफ सीजन के दौरान किसानों के हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी विक्रेता द्वारा उर्वरकों का अवैध भंडारण, जमाखोरी, कालाबाजारी अथवा नियमों का उल्लंघन किया जाना किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 एवं अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले के सभी उर्वरक विक्रय प्रतिष्ठानों, गोदामों एवं भंडारण स्थलों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। सभी उर्वरक विक्रेताओं को विभाग द्वारा अनुमोदित एवं घोषित परिसरों में ही उर्वरकों का भंडारण करने तथा निर्धारित नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं किसानों से भी अपील की गई है कि वे केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही उर्वरक क्रय करें। किसी भी प्रकार की अनियमितता, अधिक मूल्य वसूली, जमाखोरी अथवा अवैध भंडारण की जानकारी तत्काल कृषि विभाग को उपलब्ध कराएं, ताकि त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

ससुर का इलाज कराने गये थे, इधर चोरों ने पूरे घर को खंगाल डाला

सूने मकान का ताला तोड़कर नकदी, स्कूटी वाहन और लाखों का जेवरात ले गये

छ.ग.फ्रंटलाइन कुसमी। ससुर का इलाज कराने के लिये रायपुर गये परिवार के सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने स्कूटी वाहन, जेवरात नकद रकम सहित 4 लाख से अधिक की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, बलरामपुर जिला के कुसमी थाना अंतर्गत बाबा चैक, जशपुर रोड निवासी चंदन कुमार गुप्ता पिता स्व. रामधनी साहू 01 जुलाई को सायं 7.30 बजे वह अपने ससुर का इलाज कराने के लिये रायपुर एमएमआई नारायण अस्पताल गये थे। घर में किसी के नहीं रहने का फायदा उठाते हुये अज्ञात चोर ने एक जुलाई की रात 7.30 बजे से अगले दिन दोपहर 12 बजे के बीच अलमारी में रखे सोने के जेवरों में नेकलेस 23.8 ग्राम, कान का टप्स 5.31 ग्राम, अंगूठी 5 नग 18 ग्राम, अंगूठी कछुआ 1 नग 8 ग्राम, झुमका 2 नग 20 ग्राम, मंगलसूत्र 02 नग 22 ग्राम, चांदी के जेवर में पाजेब 1 नग 300 ग्राम, पायल 01 नग 200 ग्राम, नकद रकम 15 हजार रुपये, इसके अतिरिक्त अन्य सोने एवं चांदी का आभूषण, स्कूटी वाहन, मोबाइल फोन चोरी कर लिया। रायपुर से वापस आने पर इन्हें चोरों के द्वारा घर को खंगालने का पता चला। पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर लिया है, और अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

मोटरसायकल की ठोकर से घायल दो ग्रामीणों की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। दो अलग-अलग मामलों में मोटरसायकल की ठोकर से दो ग्रामीण घायल हो गये, इलाज के दौरान इनकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक, बलरामपुर जिला के राजपुर थाना अंतर्गत ग्राम लाऊ निवासी तीना पिता स्व. रूंगटू उरांव का ग्राम लाऊ और गुदरीकोना में अलग-अलग घर है। तीन जुलाई की शाम को करीब 6 बजे वह अपनी पत्नि रोपनी एक्का के साथ गुदरीकोना वाले घर में मवेशियों को बांधने के लिये गया था। यहां से मवेशी बांधकर आ रहा था, इसी दौरान बंधना नाला के पास सामने से आ रहे बाइक का चालक लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुये तीजा को ठोकर मार दिया, जिसमें उसे गंभीर चोटें आई थी। स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दूसरे मामले में जशपुर जिला के फरसाबहार थाना अंतर्गत ग्राम पंडरीपानी का सुरेन्द्र कुमार पिता महादेव साय 40 वर्ष, कांसाबेल स्थित एक होटल में मिस्त्री का काम करता था। 3 जुलाई की रात को करीब 9.30 बजे वह होटल के सामने स्थित बोरिंग के पास खड़ा था, इसी दौरान अज्ञात बाइक का चालक उसे ठोकर मार दिया। होटल के संचालक और कर्मचारियों ने उसे कांसाबेल स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया था, और स्वजन को इसकी सूचना दी थी। यहां से इलाज के बाद रेफर करने पर स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां 4 जुलाई को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दोनों मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है, और शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजनों के सुपुर्द कर दिया है।

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026
ISO 9001: 2015 CERTIFIED
बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।
डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद
समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा
बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य व्यवस्थाएं रखें चाक-चौबंद, कोताही पर होगी कार्रवाई : कलेक्टर

★ 100 बिस्तरीय अस्पताल रामानुजगंज का कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण
★ चिकित्सकों की अनिवार्य उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश
★ अस्पताल में साफ-सफाई और मेडिकल वेस्ट के सुरक्षित प्रबंधन के दिए सख्त निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने 100 बिस्तरीय सिविल अस्पताल रामानुजगंज का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी, ऑपरेशन थियेटर, प्रसव कक्ष एवं पोषण पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता भी देखी तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर ने चिकित्सकों एवं अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति पंजी का अवलोकन करते हुए निर्देशित किया कि आपातकालीन सेवाओं में चिकित्सकों की उपलब्धता हर स्थिति में सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते कहा कि मरीजों के उपचार, ड्यूटी निर्वहन अथवा स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

अस्पताल परिसर की स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने मेडिकल वेस्ट के वैज्ञानिक एवं सुरक्षित निष्पादन तथा संक्रमण नियंत्रण के सभी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रसव कक्ष का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने प्रतिमाह होने वाले प्रसवों की जानकारी ली तथा प्रसव कक्ष को पूर्णत: स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं संक्रमणमुक्त बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी स्तर पर कोताही नहीं होनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने महिलाओं को विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध कराने के लिए स्त्री रोग विशेषज्ञ की पदस्थापना हेतु आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

पोषण पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने भर्ती बच्चों की माताओं से चर्चा कर बच्चों के स्वास्थ्य एवं वजन में हो रहे सुधार की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि माताओं को पौष्टिक आहार, स्वच्छ पेयजल, परिवार नियोजन एवं बच्चों की समुचित देखभाल के संबंध में नियमित रूप से परामर्श भी दें।

कलेक्टर ने संबंधितों को भर्ती मरीजों एवं बच्चों को निर्धारित मीनू के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन नियमित रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) श्री अभिषेक गुप्ता, तहसीलदार श्री मनोज पैकरा सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

वीबी जी राम जी अंतर्गत मोर गांव मोर पानी अभियान के तहत ग्राम पंचायत कारवां में कंटूर ट्रेंच निर्माण कार्य जारी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के नेतृत्व में जिले में जल संरक्षण संबंधी कार्यों को प्राथमिकता के साथ क्रियान्वित किया जा रहा है।

जिले में जल संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वीबी जी राम जी अंतर्गत संचालित मोर गांव मोर पानी अभियान के तहत सभी जनपद अंतर्गत पंचायतों में विविध कार्य किया जा रहा है इसी कड़ी में जनपद पंचायत राजपुर की ग्राम पंचायत कारवां में कंटूर ट्रेंच निर्माण कार्य कराया जा रहा है।अभियान के अंतर्गत बनाए जा रहे कंटूर ट्रेंच वर्षा जल के संचयन, भू-जल संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। कंटूर ट्रेंच निर्माण से वर्षा जल का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित होने के साथ ही कृषि भूमि की उत्पादकता बढ़ाने में भी सहायता मिलेगी। स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराते हुए जल संरक्षण को जनभागीदारी का स्वरूप दिया जा रहा है साथ जिला प्रशासन द्वारा जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहा है।

लटोरी पुलिस ने निर्माणाधीन चौकी परिसर में किया पौधरोपण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। राष्ट्र की एकता और अखंडता के शिल्पकार लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में जिलेभर में चलाए जा रहे पौधरोपण अभियान के तहत शनिवार को पुलिस चौकी लटोरी में पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। जिला स्तरीय पौधरोपण कार्यक्रम अंतर्गत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर नवीन निर्माणाधीन पुलिस चौकी भवन परिसर में पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने पौधे लगाकर हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल पौधरोपण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लोगों में पर्यावरण संरक्षण, वृक्षों के महत्व और स्वच्छ एवं हरित वातावरण के प्रति जागरूकता फैलाना भी रहा।पुलिस कर्मियों ने पौधों की नियमित देखभाल और उन्हें सुरक्षित रखने का संकल्प भी लिया, ताकि आने वाले वर्षों में ये पौधे विशाल वृक्ष बनकर पर्यावरण संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

इस अवसर पर लटोरी चौकी प्रभारी अरुण गुप्ता ने कहा कि वृक्ष पृथ्वी का अमूल्य धन हैं। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधरोपण कर उसकी देखभाल करनी चाहिए। उन्होंने आम नागरिकों से भी अधिक से अधिक पौधे लगाने और पर्यावरण संरक्षण अभियान में सहभागी बनने की अपील की।

पौधरोपण कार्यक्रम में चौकी प्रभारी अरुण गुप्ता के साथ प्रधान आरक्षक राम निवास तिवारी, दिलेश्वर सिंह, आरक्षक विकास मिश्रा, सुनील एक्का, इशियाक, कैलू राजवाड़े तथा महिला आरक्षक सुनीता सहित पुलिस विभाग के अन्य कर्मचारी सक्रिय रूप से शामिल रहे।

सड़क पर उतरकर कलेक्टर ने परखी राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण कार्य की गुणवत्ता

★ आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निर्माणाधीन मार्ग पर नियमित जल छिड़काव करने के दिए निर्देश
★ निर्माण कार्य में विलंब न हो, आवश्यकतानुसार मैन पावर बढ़ाकर लाएं तेजी : कलेक्टर

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने बलरामपुर से रामानुजगंज तक निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मार्ग के विभिन्न स्थानों पर रुककर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का बारीकी से अवलोकन किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को निर्माण कार्य की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा भूमि अधिग्रहण से संबंधित लंबित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए आपसी समन्वय स्थापित कर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावित हितग्राहियों को मुआवजा राशि का भुगतान समय पर सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यदि भुगतान प्रक्रिया में किसी प्रकार की तकनीकी अथवा प्रशासनिक समस्या आती है तो उसका राज्य स्तर पर समन्वय स्थापित कर प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करें।

आम नागरिकों की सुविधा एवं पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने निर्माणाधीन सड़क पर उड़ने वाली धूल की रोकथाम के लिए नियमित रूप से पानी का छिड़काव कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क का निर्माण स्वीकृत एलाइनमेंट के अनुरूप ही किया जाए। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने कार्य में तेजी लाने के लिए आवश्यकतानुसार मैनपावर बढ़ाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि जिन स्थानों पर बीटी वर्क पूर्ण हो चुका है, वहां बिना विलंब डामरीकरण का कार्य शुरू करें। साथ ही यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए निर्माणाधीन मार्ग पर गड्ढों को तत्काल भरने के निर्देश दिए, ताकि आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री अभिषेक गुप्ता, अनुविभागीय अधिकारी एनएच श्री निखिल लकड़ा, क्षेत्र के निर्वाचित जनप्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी-कर्मचारीगण मौजूद थे।

संभावित अल-नीनो को देखते हुए कृषि विभाग ने जारी की विस्तृत कृषि एडवाइजरी

कृषक उन्नति योजना के तहत धान के स्थान पर दलहन, तिलहन, फसल लेने पर 15 हजार रुपये प्रति एकड़ की प्रोत्साहन राशि का प्रावधान

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। संभावित अल-नीनो की स्थिति को देखते हुए कृषि विभाग ने किसानों से मौसम आधारित कृषि प्रबंधन अपनाने की अपील की है। विभाग के अनुसार वर्ष 2026 में मानसून के आगमन में देरी, सामान्य से कम वर्षा तथा सूखे जैसी परिस्थितियां बनने की संभावना है। ऐसे में वैज्ञानिक खेती और समय पर सही निर्णय लेकर फसल को नुकसान से बचाया जा सकता है।

बारिश से पहले खेत करें तैयार

कृषि विभाग ने किसानों को वर्षा शुरू होने से पहले खेतों एवं मेड़ों की साफ-सफाई, गहरी जुताई तथा भूमि तैयारी का कार्य पूरा करने की सलाह दी है। साथ ही कम एवं मध्यम अवधि में पकने वाली फसल किस्मों का चयन करने को कहा गया है, ताकि अनिश्चित वर्षा की स्थिति में भी बेहतर उत्पादन मिल सके।

डीएसआर तकनीक से पानी की होगी बचत

धान की सीधी बुवाई (डीएसआर) तकनीक अपनाने की सलाह दी गई है। इस तकनीक से लगभग 20 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है, उत्पादन लागत कम होती है तथा फसल 12 से 15 दिन पहले तैयार हो जाती है।

ऊंची भूमि पर दलहन-तिलहन की खेती करें

धान वाले खेतों में मजबूत मेड़बंदी कर वर्षा जल का संरक्षण करें। ऊंची भूमि पर धान के स्थान पर अरहर, मूंग, उड़द, तिल, सोयाबीन और मूंगफली जैसी दलहनी एवं तिलहनी फसलों की खेती करने की सलाह दी गई है। कतार पद्धति से बुवाई करने से खरपतवार नियंत्रण, पौधों की अच्छी वृद्धि और मिट्टी में नमी संरक्षण में मदद मिलती है।

बीजोपचार और जैव उर्वरक का करें उपयोग

बुवाई से पहले सभी बीजों का बीजोपचार अनिवार्य रूप से करें। दलहनी फसलों में राइजोबियम सहित जैव उर्वरकों का उपयोग करें। यदि 15 जुलाई तक अंकुरण नहीं होता है तो पुन: बुवाई करें तथा सामान्य से लगभग 10 प्रतिशत अधिक बीज का उपयोग करें। जुलाई के अंत तक मूंग एवं उड़द की बुवाई पूरी करें। अगस्त माह में तिल, सूरजमुखी एवं मध्यम अवधि वाली अरहर की बुवाई करें। बुवाई के 20 से 25 दिन बाद खरपतवार नियंत्रण अवश्य करें।

सूखे की स्थिति में मल्चिंग अपनाएं एवं जल संरक्षण को दें सर्वोच्च प्राथमिकता

मिट्टी में नमी बनाए रखने और फसल को सूखे से बचाने के लिए मल्चिंग तकनीक अपनाएं। इससे नमी लंबे समय तक बनी रहती है और सिंचाई की आवश्यकता कम होती है। गांव के नालों पर अस्थायी अवरोध बनाकर वर्षा जल रोकें। तालाब, कुएं एवं अन्य जल संरचनाओं में अधिक से अधिक पानी का संग्रह करें। जहां संभव हो, ड्रिप एवं स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म सिंचाई पद्धतियां अपनाएं।

कम वर्षा में उर्वरकों का करें संतुलित उपयोग

कम वर्षा की स्थिति में नत्रजन उर्वरकों का सीमित उपयोग करें। आवश्यकता अनुसार 2 प्रतिशत यूरिया घोल का पर्णीय छिड़काव करें। दलहनी एवं तिलहनी फसलों में बुवाई के लगभग एक माह बाद 2 प्रतिशत डीएपी घोल का छिड़काव लाभकारी रहेगा।

कृषि आकस्मिक योजना का लाभ उठाएं

संभावित कम वर्षा को देखते हुए कृषि विभाग ने कृषि आकस्मिक योजना लागू की है। किसानों को धान पर निर्भरता कम कर दलहन, तिलहन, मक्का तथा अन्य कम पानी वाली फसलों को अपनाने की सलाह दी गई है। कृषक उन्नति योजना के तहत धान के स्थान पर दलहन, तिलहन, मक्का अथवा अन्य फसल लेने पर 15 हजार रुपये प्रति एकड़ की प्रोत्साहन राशि का प्रावधान है।

धान की खेती करें तो इन किस्मों का करें चयन

यदि किसान धान की खेती करना चाहते हैं तो शीघ्र पकने वाली किस्में आईआर-64 एवं एमटीयू-1010 का चयन करें। डीएसआर पद्धति, संतुलित उर्वरक उपयोग तथा समय पर खरपतवार नियंत्रण से बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

मौसम की जानकारी लेकर करें खेती

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे मौसम पूर्वानुमान के आधार पर खेती की योजना बनाएं ड्रिप एवं स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों को अपनाए, फसल विविधीकरण अपनाकर जोखिम को कम करे, तथा किसी भी कृषि संबंधी समस्या के समाधान के लिए निकटतम कृषि कार्यालय अथवा कृषि विज्ञान केंद्र से संपर्क करें। समय पर सही कृषि प्रबंधन अपनाकर कम वर्षा की स्थिति में भी फसल को सुरक्षित रखा जा सकता है।

ऑपरेशन अमानत के तहत यात्री को लौटाया गया छूटा हुआ मोबाइल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। रेलवे के ऑपरेशन अमानत के तहत ईमानदारी और तत्परता का परिचय देते हुए दुर्ग अंबिकापुर एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 18241 में छूटा यात्री का मोबाइल उसे सुरक्षित वापस सौंप दिया गया। जानकारी के अनुसार भटगांव निवासी हीरालाल जो दुर्ग-अंबिकापुर एक्सप्रेस ट्रेन से करंजी स्टेशन पर उतरे थे। उन्हें भटगांव जाना था, जबकि उनका मूल निवास आरा बिहार है। यात्रा के दौरान उनका मोबाइल फोन ट्रेन के बी-1 कोच की बर्थ संख्या 11-12 पर छूट गया था। करंजी स्टेशन मास्टर को इसकी जानकारी मिलने पर उन्होंने विश्रामपुर स्टेशन मास्टर को सूचित किया कि संबंधित यात्री उनके स्टेशन पर मौजूद है तथा ट्रेन में एक मोबाइल छूट गया है। सूचना के आधार पर मोबाइल को सुरक्षित रखा गया। बाद में यात्री की पहचान और मोबाइल के संबंध में आवश्यक सत्यापन करने के बाद ऑपरेशन अमानत के तहत मोबाइल को बिश्रामपुर स्टेशन मास्टर रघुनाथ शाह द्वारा यात्री को वापस लौटा दिया गया।

पुरानी रंजिश पर दो पक्षों में जमकर मारपीट, जुर्म दर्ज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। पुरानी रंजिश पर दो पक्षों में जमकर मारपीट किए जाने के मामले में पुलिस ने काउंटर अपराध दर्ज कर लिया है। बिश्रामपुर पुलिस ने बताया कि चोपड़ा कालोनी क्वार्टर नंबर 618 निवासी प्रार्थी आयुष यादव पिता अमित कुमार यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि वह शुक्रवार की रात साथी मुन्ना मलिक व अन्य लोगों के साथ आजाद ग्राउंड डिपार्टमेंटल कालोनी में बैठा था। तभी आरोपी प्रेयांश तिवारी, रिशु, मुन्ना व अभय थापा वहां पहुंचकर पुरानी रंजिश को लेकर जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट कर दिए हैं। साथ ही सिर पर ईंट से हमला कर दिए हैं, जिससे चोट आई है। वहीं दूसरी ओर प्रार्थी 1 बी कालोनी क्वार्टर नंबर 115 शिवम शर्मा पिता परमानंद शर्मा ने भी आरोपी मन्नू मलिक, पीयूष, देव शर्मा, राहुल यादव के खिलाफ जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट करने का रिपोर्ट दर्ज कराया है। दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित हाई एवं हायर सेकेण्डरी द्वितीय मुख्य अवसर परीक्षा की तिथि निर्धारित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित हायर सेकेण्डरी द्वितीय मुख्य/अवसर परीक्षा 08 जुलाई से 22 जुलाई 2026 तक आयोजित होगी। इसी प्रकार हाईस्कूल द्वितीय मुख्य/अवसर परीक्षा 09 जुलाई से 21 जुलाई 2026 तक संचालित की जाएगी। उक्त परीक्षाओं के लिए प्रात: 09 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित द्वितीय मुख्य/अवसर परीक्षा के लिए जिले में 22 विद्यालयों को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है।

परीक्षा के दौरान परीक्षा केन्द्रों में सतत निगरानी, निरीक्षण एवं अनुचित साधनों के उपयोग को रोकने हेतु अपर कलेक्टर श्री चेतन बोरघरिया को नोडल अधिकारी एवं जिला शिक्षा अधिकारी श्री मनीराम यादव तथा नायब तहसीलदार श्री रवि कुमार भोजवानी को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय निरीक्षण दल का गठन भी किया गया है, जिनके द्वारा सतत रूप से परीक्षा केंद्रों की निरीक्षण की जाएगी।

मानसून की पहली बारिश के साथ बिहरपुर में सामने आए सर्पदंश के दर्जनों मामले

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर, बिहरपुर। चांदनी बिहारपुर के वनांचल और पहाड़ी क्षेत्रों में मानसून की शुरूआत के साथ ही सर्पदंश की घटनाएं तेजी से बढ़ने लगी हैं। लगातार हो रही बारिश के कारण जहरीले सांप अपने बिलों से निकलकर खेतों, घरों और आबादी वाले इलाकों में पहुंच रहे हैं। इसका असर अब स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी साफ दिखाई देने लगा है। बरसात शुरू होने के बाद से अब तक दर्जनों सर्पदंश के पीड़ित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिहरपुर पहुंच चुके हैं। हाल के दिनों में एक ही दिन में तीन मरीजों के अस्पताल पहुंचने से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

क्षेत्र में हर वर्ष मानसून के दौरान सर्पदंश के कई दर्जन मामले सामने आते हैं। यह क्षेत्र घने जंगलों, पहाड़ियों और नदी-नालों से घिरा होने के कारण जहरीले सांपों का प्राकृतिक आवास माना जाता है। बारिश के मौसम में सांप खेतों, कच्चे मकानों और गांवों में घुस जाते हैं, जिससे किसान, मजदूर, महिलाएं और बच्चे सबसे अधिक प्रभावित होते हैं।

एक अस्पताल पर निर्भर पहाड़ी अंचल के 3 दर्जन से अधिक गांव

चांदनी-बिहरपुर विकासखंड का विशाल वनांचल क्षेत्र है जो आज भी पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित है। लगभग तीन दर्जन से अधिक ग्राम पंचायतों और दर्जनों गांवों की आबादी केवल एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर निर्भर है। दूरस्थ गांवों से मरीजों को कई बार 30 से 50 कि.मी. तक का सफर तय कर अस्पताल पहुंचना पड़ता है। बरसात में सड़कें खराब होने और नदी-नाले उफान पर रहने से यह दूरी और भी मुश्किल बन जाती है।ग्रामीणों का कहना है कि सर्पदंश जैसी आपात स्थिति में हर मिनट महत्वपूर्ण होता है, लेकिन समय पर इलाज नहीं मिलने से मरीजों की जान पर खतरा बढ़ जाता है।

वर्षो से फाइलों में कैद महुली को पीएचसी बनाने की घोषणा

महुली उप स्वास्थ्य केंद्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को उन्नयन करने की घोषणा कई वर्ष पहले की गई थी। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की ओर से कई बार आश्वासन भी दिया गया कि जल्द ही महुली में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शुरू होगा, लेकिन वर्षों बीत जाने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। आज भी महुली केवल उप स्वास्थ्य केंद्र के रूप में संचालित हो रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि महुली में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शुरू हो जाता तो आसपास के हजारों लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलतीं और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिहरपुर पर भी मरीजों का दबाव कम होता। महुली, उमझर, नवाटोला सहित अन्य उप स्वास्थ्य केंद्रों में नियमित ओपीडी नहीं चलने की शिकायत ग्रामीण लंबे समय से करते आ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पहले इन केंद्रों में इंजेक्शन, सलाइन और प्राथमिक उपचार की सुविधा मिलती थी, लेकिन अब अधिकांश मरीजों को केवल गोली और सिरप देकर लौटा दिया जाता है। गंभीर मरीजों को सीधे बिहरपुर या जिला अस्पताल रेफर कर दिया जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के मौसम में सर्पदंश के अलावा मलेरिया, वायरल बुखार, डायरिया और उल्टी-दस्त जैसी बीमारियों का प्रकोप भी बढ़ जाता है। ऐसे समय में उप स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, दवाइयां और जीवनरक्षक सुविधाओं का अभाव चिंता का विषय है।

एंटी स्नेक वेनम की पर्याप्त उपलब्धता की मांग

ग्रामीणों ने मांग की है कि बरसात के पूरे मौसम को देखते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिहरपुर के साथ-साथ महुली, उमझर और नवाटोला के उप स्वास्थ्य केंद्रों में भी एंटी स्नेक वेनम, आवश्यक जीवनरक्षक दवाइयां, इंजेक्शन, सलाइन और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की व्यवस्था की जाए। इससे सर्पदंश के मरीजों को समय पर प्राथमिक उपचार मिल सकेगा और गंभीर स्थिति बनने से पहले उनकी जान बचाई जा सकेगी। ग्रामीणों का कहना है कि जब हर वर्ष बरसात में सर्पदंश के मामले बढ़ते हैं, तब भी स्वास्थ्य विभाग द्वारा पहले से विशेष तैयारी क्यों नहीं की जाती। वर्षों पहले की गई घोषणाएं आज तक धरातल पर क्यों नहीं उतर पाईं। आखिर कब तक वनांचल के लोगों को बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ेगी

ग्रामीणों की प्रमुख मांगें

महुली उप स्वास्थ्य केंद्र को तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में शुरू करने, महुली, उमझर और नवाटोला सहित अन्य उप स्वास्थ्य केंद्रों में नियमित ओपीडी संचालन, जीवनरक्षक दवाइयों की पर्याप्त व्यवस्था, बरसात के मौसम में अतिरिक्त डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ और एंबुलेंस की तैनाती तथा पहाड़ी और दूरस्थ गांवों के लिए विशेष स्वास्थ्य दल गठित करने की मांग की है।

खाद-बीज की किल्लत, कांग्रेस ने किया सहकारी समिति का घेराव, एसडीएम को ज्ञापन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रामानुजनगर द्वारा क्षेत्र के किसानों को खाद और धान बीज की उपलब्धता में आ रही गंभीर समस्याओं को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के बाद आक्रोशित कांग्रेस कार्यकताओं और किसानों ने सहकारी समिति का घेराव किया। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह ने कहा कि कृषि सीजन शुरू हो चुका है लेकिन किसानों को समय पर खाद और उत्तम किस्म के धान का बीज नहीं मिल पा रहा है सहकारी समितियों में किसान भटकने को मजबूर हैं, जिससे उनकी बोआई प्रभावित हो रही है सरकार और प्रशासन किसानों की इस बुनियादी जरूरत को पूरा करने में पूरी तरह नाकाम साबित हुए हैं। घेराव और प्रदर्शन की उग्रता को देखते हुए एसडीएम मौके पर पहुंचे जिन्हें ब्लॉक व जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने किसानों की मांगों का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई है कि सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में खाद और प्रमाणित बीज तुरंत उपलब्ध कराया जाए ताकि किसानों को और अधिक परेशानी न उठानी पड़े।

नकटी के प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने सड़क पर कांग्रेस, मुख्यमंत्री का किया पुतला दहन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राजधानी रायपुर ग्राम नकटी के 85 प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने और उनके उचित पुनर्वास की मांग को लेकर यहां जिला मुख्यालय में कांग्रेसियों ने मुख्यमंत्री का पुतला फूंक कर विरोध प्रदर्शन किया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देश और जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शशि सिंह के नेतृत्व में शनिवार को उग्र प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री का पुतला दहन कर प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी

गहरी संवेदना व्यक्त की और सरकार की दमनकारी नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि नकटी गांव के 85 परिवारों के साथ जो अन्याय हुआ है उसने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया यह लड़ाई अब सिर्फ एक गांव की नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के स्वाभिमान और न्याय की आवाज बन चुकी है। उन्होंने राज्य सरकार पर संवेदनहीनता का आरोप लगाते हुए कहा, एक तरफ भीषण विपरीत परिस्थितियों में गरीब परिवार दाने-दाने को मोहताज हैं वहीं दूसरी तरफ सूबे के मुख्यमंत्री और उनका प्रशासन आखें मूंदे बैठा है कांग्रेस इन प्रभावित परिवारों को बेसहारा नहीं छोड़ेगी। हमारी मांग है कि इन सभी परिवारों का तत्काल, सम्मानजनक और न्यायपूर्ण पुनर्वास किया जाए जब तक हर एक पीड़ित को उसका हक नहीं मिल जाता, कांग्रेस का यह आंदोलन थमेगा नहीं। प्रदर्शन के दौरान जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष मेहंदी यादव, महेंद्र साहू, कवलबिहारी टेकाम, संतोष पावले, वेद प्रकाश मिश्रा, राजू गुप्ता, बबीता गुप्ता, सुनील सारथी, अविनाश साहू, रोहन राजवाड़े, विक्की समदर, परमेश्वर राजवाडे, चन्द्रदत दुबे, समीर सिंह, लिवनेश सिंह, सुरेंद्र प्रजापति, दिनेश राजवाड़े, यशवंत सिंह, आंचल रुचि टोप्पो सहित पदाधिकारी औ? बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल रहे।

जहाँ पौधे बने दोस्त और प्रकृति बनी पाठशाला, ऐसा रहा चट्टीडांड़ स्कूल में वन महोत्सव का अनूठा आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जब नन्हें हाथों ने पौधों को अपना साथी बनाया, पत्तियों से सृजन की नई दुनिया रची और पूरे उत्साह से यह संकल्प दोहराया कि एक बच्चा, एक पौधा, पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ, तब शासकीय प्राथमिक शाला चट्टीडांड़ का परिसर सचमुच हरियाली के उत्सव में बदल गया। शनिवार गतिविधि दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं एससीईआरटी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित वन महोत्सव सप्ताह केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि बच्चों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व का जीवंत पाठ बन गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रेरक नारे एक बच्चाझएक पौधा, पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रधान पाठक गौतम शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि 1 से 7 जुलाई तक मनाया जाने वाला वन महोत्सव केवल वृक्षारोपण का पर्व नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। उन्होंने बच्चों को समझाया कि पेड़ हमें शुद्ध वायु, फल-फूल, औषधियाँ, छाया और पक्षियों का आश्रय प्रदान करते हैं तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में उनकी भूमिका अतुलनीय है। इसके पश्चात शिक्षिका श्रीमती मंजू कुजूर के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने प्रकृति को अपनी कल्पनाशक्ति से जोड़ते हुए पत्ती छाप, पत्तियों एवं फूलों से आकर्षक कलाकृतियाँ, पेड़ों में रंग भरना, पत्ती संग्रह, पर्यावरण आधारित गीत एवं मनमोहक नृत्य जैसी गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों की रचनात्मकता ने यह सिद्ध कर दिया कि पर्यावरण शिक्षा तभी प्रभावी होती है, जब उसे आनंद और अनुभव के साथ जोड़ा जाए। कार्यक्रम का सबसे प्रेरणादायी आकर्षण रहा ₹एक बच्चाझएक वृक्ष₹ संकल्प। विद्यालय के 11 विद्यार्थियों ने अपने घर एवं आसपास के एक-एक पेड़ को गोद लेकर उसकी नियमित देखभाल और सुरक्षा का जिम्मा अपने कंधों पर लिया।

किराना दुकान से 756 बोरा खाद समेत 750 बोरा धान जप्त, गोदाम सील

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। तहसीलदार ने ग्राम द्वारिकापुर के एक किराना व्यवसाई के दुकान पर छापा मारकर बड़े पैमाने पर अवैध खाद्य, धान, चावल व चना जप्त किया है। तहसीलदार मनहरण सिंह राठिया ने बताया कि तहसील अंतर्गत ग्राम द्वारिकापुर में व्यापारी कमलेश्वर साहू के दुकान व मकान की जांच की गई। जहां बड़ी मात्रा में रासायनिक खाद्य, धान व चावल अवैधानिक तरीके से स्टाक किया हुआ पाया गया। जांच के दौरान गोदाम में भंडारित 80 बोरा डीएपी खाद व 676 बोरा यूरिया खाद जप्त कर गोदाम को सील कर दिया गया। इसके अतिरिक्त व्यवसायी के यहां से 750 बोरा धान 20 बोरा चावल तथा 2 बोरा चना भी पाया गया। उक्त भंडारित सामग्रियों का उसके द्वारा कोई वैध दस्तावेज तथा मंडी लायसेंस प्रस्तुत नहीं किए जाने के बाद जप्ती की कार्रवाई कर गोदाम को सील कर दी गई। इस कार्रवाई में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, उर्वरक निरीक्षक, राजस्व निरीक्षक, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी तथा पटवारी शामिल थे।

बोरिंग पाइप मांगने पर सरपंच पति ने दो भाइयों को डंडे-घूंसे से पीटा, 7 लोगों पर एफआईआर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनपुर। कुन्नी पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम डूमर घाट में सरपंच पति ने भाई और साथियों के साथ मिलकर दो सगे भाइयों की बास के डंडे और हाथ-मुक्के से जमकर पिटाई कर दी। पीड़ितों की रिपोर्ट पर सरपंच पति हंस कुमार सहित सात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। गांव में दबंगई से भय का माहौल बताया जा रहा है।

बोरिंग का पाइप मांगने पर भड़का सरपंच पति

पूरा मामला 2 जुलाई की रात करीब 9 बजे का है। सरपंच पति हंस कुमार उईके ने पीड़ित रमेश दास पिता बीगन दास को बोरिंग का पाइप लेने के लिए घर के पास बुलाया। रमेश जब पहुंचा तो हंस कुमार घर पर नहीं था। सरपंच तारावती से फोन लगवाकर रमेश ने हंस कुमार से पाइप के बारे में पूछा। इसी बात से नाराज होकर हंस कुमार ने अपने भाई भोले शंकर को फोन कर बुलाया।

ईको कार से आए 7 लोग, दी जान से मारने की धमकी

हंस कुमार ईको कार क्रमांक सीजी 15 ईएफ 9454 में राजू उर्फ राजेश प्रजापति, शारदा साहू, राजकुमार सिंह, भोला शंकर उईके, संग्राम प्रजापति एवं गंगा प्रजापति के साथ पहुंचा। सभी ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और बास के डंडे व हाथ-मुक्के से रमेश दास को पीटना शुरू कर दिया। बीच-बचाव करने आए रमेश के भाई दिनेश दास को भी पीटा गया। दोनों लहूलुहान हो गए।

7 लोगों पर एफआईआर, जांच शुरू

3 जुलाई की दोपहर 12:30 बजे रमेश दास ने कुन्नी पुलिस चौकी में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने हंस कुमार उईके, भोला शंकर उईके, राजू उर्फ राजेश प्रजापति, शारदा साहू, राजकुमार सिंह, संग्राम प्रजापति और गंगा प्रजापति के खिलाफ धारा 296(ं), 351(3), 115(2), 191(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच पति आए दिन वाद-विवाद कर दबंगई करता है।

46 करोड़ से बनेंगी दो सड़कें, विधायक भूलन सिंह मरावी ने किया भूमिपूजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। विकासखण्ड के ग्राम पवनपुर व सूरता में 46 करोड़ रुपए की लागत होने वाले दो अलग-अलग सड़क निर्माण कार्य का विधायक भूलन सिंह मरावी ने भूमिपूजन कर निर्माण कार्य की शुरूआत कराई है। दोनों गांव की यह सड़कें जनता की न सिर्फ बहुप्रतीक्षित मांगे थी बल्कि इन सड़कों के बन जाने से वहां के लोगों को बड़ी राहत होने वाली है। दोनों सड़कें पहाड़ी और पथरीली क्षेत्र में पड़ते हैं।

क्षेत्रीय विधायक भूलन सिंह मरावी द्वारा लोकनिर्माण विभाग के माध्यम से स्वीकृत दो बड़ी सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर कार्य शुरू कराया है। विकासखण्ड के ग्राम पवनपुर परमेश्वरपुर अर्जून पुर होते हुए तिवरागुड़ी पहुंच मार्ग साढ़े 20 किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण 23 करोड़ 18 लाख 18 हजार रुपए तथा ग्राम सूरता के छिवलहिया पारा में लगभग 16 किलोमीटर लंबी सड़क 22 करोड़ 66 लाख रुपए की लागत से बनेगा। भूमि-पूजन के अवसर पर विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र के कठिन रास्तों को सुगम बनाने का जो काम हो रहा है, वह जनता की ताकत का परिणाम है, उन्होंने कहा कि आप लोगों ने मुझे विधायक बनाकर विधानसभा भेजा है तभी यह काम संभव हो पा रहा है। वरना मुझसे पहले भी लोगों ने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है ,मगर दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क निर्माण पर ध्यान नहीं दिया था।पहाड़ी और पथरीली क्षेत्र में पड़ने वाली इन दोनों सड़कों के निर्माण की मांग छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद से लगातार होते रहा लेकिन पहाड़ टिलों में बसे दो दो चार चार घरों की बस्ती में रहने वाले लोगों के लिए इन सड़कों का निर्माण अकल्पनीय था। पवनपुर परमेश्वरपुर अर्जून पुर तिवरागुड़ी मार्ग स्वीकृत होकर जब भूमिपूजन किया गया तब ग्रामीणों को खुशी

का ठिकाना नहीं रहा। पवनपुर परमेश्वरपुर अर्जून पुर के ग्रामीणों ने इस सड़क निर्माण की स्वीकृति दिलाए जाने हेतु विधायक भूलन सिंह मरावी का आभार जताया।इधर सूरता छिवलहिया पारा की भी कमोबेश यही स्थिति थी अब दोनों सड़कों के निर्माण हो जाने से ग्रामीणों का आवागमन सुगम हो जाएगा और वहां के लोगों के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा आसान हो जाएगा। सड़कों के भूमिपूजन के अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष रेखा राजवाड़े भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी, जिला महामंत्री शशिकांत गर्ग, संदीप अग्रवाल, दीपक गुप्ता, जय प्रकाश उपाध्याय, मानिकचंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष पवन सिंह, महामंत्री सौभाग्य दुबे सुमित साहू, रामलखन सिंह, राजलाल राजवाड़े, हेमंत यादव, खेलसाय राजवाड़े, राजेश साहू, नारायण विश्वकर्मा, महेंद्र मरावी, राजेंद्र कुर्रे, सरपंच अनिता सिंह, सरपंच

बेगारीडांड़ स्कूल शिक्षिका विनीता ने बच्चो को उपलब्ध कराया टाई-बेल्ट, हुई पैरेंट्स मीटिंग

बिहारपुर। शा.पू.मा.विद्यालय बेगारीडांड़ में विद्यार्थियों के अनुशासन, एकरूपता एवं आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक प्रेरणादायक पहल की गई। विद्यालय की शिक्षिका सुश्री विनिता कोराम द्वारा सभी विद्यार्थियों को टाई एवं बेल्ट का वितरण किया गया। विद्यालय परिसर में कार्यक्रम के साथ अभिभावक बैठक का भी आयोजन किया गया, जिसमें अभिभावकों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। बता दें कि बिहारपुर सूरजपुर जिले के दूरस्थ क्षेत्र है जहाँ विद्यार्थियों को मूलभूत सुविधाओं की कमी रहती है। वहाँ शिक्षिका विनीता कोराम के दरियादिली से विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ झलक रहा था।

सम्पादकीय

बड़े बदलाव की ओर बढ़ रहे भारत-जापान संबंध

इंडो-पैसिफिक में अमेरिका की घटती रुचि और एक तरह से चीन को क्षेत्र की महाशक्ति के रूप में स्वीकार करने के बाद भारत और जापान के लिए जरूरी हो गया है कि वे इस क्षेत्र में अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची की संयुक्त आर्थिक मंच में मौजूदगी इस बात का प्रतीक है कि दोनों देश केवल वर्तमान की चुनौतियों का समाधान नहीं खोज रहे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित, समृद्ध और तकनीक-संचालित एशिया की नींव रखने का प्रयास कर रहे हैं। साथ ही भारत-जापान संबंधों का अगला चरण केवल सरकारी समझौतों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। दोनों देशों को निजी क्षेत्र, स्टार्टअप, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के बीच भी गहरे सहयोग को बढ़ावा देना होगा। जापान रोबोटिक्स, सेमीकंडक्टर, प्रिसिजन मैन्युफैक्चरिंग और हरित प्रौद्योगिकी में विश्व अग्रणी है, जबकि भारत डिजिटल नवाचार, सॉफ्टवेयर, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप इकोसिस्टम में तेजी से उभरती शक्ति है। यदि इन दोनों की क्षमताओं का समन्वय होता है तो यह केवल दोनों अर्थव्यवस्थाओं को ही नहीं, बल्कि पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को नई दिशा दे सकता है। विशेष रूप से सेमीकंडक्टर निर्माण, दुर्लभ खनिजों (रेयर अर्थ) की आपूर्ति, इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी, हरित हाइड्रोजन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में संयुक्त निवेश भविष्य की औद्योगिक प्रतिस्पर्धा तय करेगा। भारत को अपनी उत्पादन क्षमता और कुशल मानव संसाधन के कारण नेक्स्ट मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में देखा जा रहा है, जबकि जापान की तकनीकी विश्वसनीयता इस परिवर्तन को गति दे सकती है। ऐसे में दोनों देशों की साझेदारी वैश्विक कंपनियों के लिए चीन के विकल्प के रूप में एक मजबूत और विश्वसनीय औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र तैयार कर सकती है। साथ ही, दोनों देशों को लोगों के बीच संपर्क को भी प्राथमिकता देनी होगी। भारतीय छात्रों, इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों के लिए जापान में अवसर बढ़ रहे हैं। दूसरी ओर जापानी कंपनियों को भारत के युवा और कुशल कार्यबल से लाभ मिल सकता है। आज दुनिया एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुकी है, जहां मित्रता का मूल्य केवल कूटनीतिक बयानों से नहीं, बल्कि साझा निवेश, साझा तकनीक और साझा भविष्य से तय होगा। भारत और जापान इसी दिशा में आगे बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। यदि यह सहयोग योजनाओं से निकलकर समयबद्ध क्रियान्वयन तक पहुंचता है, तो आने वाले दशक में भारत-जापान संबंध केवल द्विपक्षीय सफलता की कहानी नहीं होंगे, बल्कि वैश्विक आर्थिक और रणनीतिक व्यवस्था के सबसे प्रभावशाली स्तंभों में शामिल होंगे। यह साझेदारी वास्तव में विश्वास से विकास और साझेदारी से समृद्धि का ऐसा मॉडल बन सकती है, जिसकी आवश्यकता आज पूरे विश्व को है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अस्थिर रवैये ने दुनियाभर में उसकी स्थिति को कमजोर किया है। ईरान युद्ध के बाद खाड़ी देश अपनी सुरक्षा नीति पर पुनर्विचार कर रहे हैं। पूरी दुनिया के रिश्ते एक नए मोड़ पर खड़े हैं। इससे नई साझेदारियां बनेंगी और पुरानी साझेदारियां नया रूप लेंगी। ऐसे में भारत-जापान संबंध भी ऐतिहासिक बदलाव की ओर बढ़ रहे हैं और आने वाले समय में यह दुनिया में नए बदलाव का जरिया भी बन सकते हैं। कुल मिलाकर अब दुनिया बहुध्रुवीय हो चुकी है और सबको एक-दूसरे की जरूरत है। मिलकर चलना ही सबके हित में है।

पड़ोस
कांतिलाल मांडोत

पाक से रिश्तों की बहाली की नई कवायद

भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की चर्चा एक बार फिर तेज हो गई है। दोनों देशों की 117 प्रमुख हस्तियों द्वारा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को भेजे गए खुले पत्र ने इस बहस को नया आयाम दिया है। पत्र में संवाद बहाल करने, व्यापार शुरू करने, वीजा व्यवस्था आसान बनाने, समझौता एक्सप्रेस और थार एक्सप्रेस को फिर से चलाने, क्रिकेट शृंखला शुरू करने तथा दोनों देशों के बीच जमे अविश्वास को समाप्त करने की अपील की गई है। पहली नजर में यह पहल शांति और सद्भाव की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास प्रतीत होती है, लेकिन जब भारत-पाकिस्तान संबंधों के इतिहास, पाकिस्तान के व्यवहार और वर्तमान वैश्विक राजनीति को ध्यान में रखकर इस प्रस्ताव का विश्लेषण किया जाता है, तब कई गंभीर प्रश्न सामने खड़े हो जाते हैं।

भारत ने हमेशा अपने पड़ोसियों के साथ शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण संबंधों की नीति अपनाई है। स्वतंत्रता के बाद से भारत ने अनेक अवसरों पर पाकिस्तान के साथ मित्रता का हाथ बढ़ाया। चाहे 1972 का शिमला समझौता हो, 1999 की लाहौर बस यात्रा हो या फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्ष 2015 में अचानक लाहौर जाकर तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से मिलना, भारत ने हर बार यह संदेश दिया कि विवादों का समाधान युद्ध नहीं बल्कि संवाद से होना चाहिए। दुर्भाग्य यह रहा कि हर बार पाकिस्तान की धरती से आतंकवाद ने इन प्रयासों को कमजोर किया। पाक का इतिहास यह बताता है कि उसने मित्रता के हर प्रयास के समानांतर आतंकवाद को अपनी विदेश नीति का साधन बनाए रखा। 1947, 1965, 1971 और 1999 के कारगिल युद्ध से लेकर संसद पर हमला, मुंबई का 26/11 हमला, पठानकोट, उरी और पुलवामा जैसे आतंकी हमलों तक पाकिस्तान की भूमिका लगातार सवालों के घेरे में रही है। भारत ने कई बार ठोस सबूत भी प्रस्तुत किए, लेकिन पाकिस्तान ने या तो उन्हें नकार दिया या फिर आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने से बचता रहा। ऐसे में यह स्वाभाविक है कि भारत किसी भी नए संवाद प्रस्ताव को केवल भावनात्मक आधार पर स्वीकार नहीं कर सकता। वर्तमान परिस्थितियों में पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर है। महंगाई, बेरोजगारी, विदेशी कर्ज और ऊर्जा संकट ने वहां की अर्थव्यवस्था को गंभीर संकट में डाल दिया है। हाल के वर्षों में जल संकट भी पाकिस्तान के लिए बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है। ऐसी परिस्थितियों में पाकिस्तान के लिए भारत के साथ व्यापार और संबंधों की बहाली आर्थिक दृष्टि से लाभकारी हो सकती है। लेकिन यह भी ध्यान रखना होगा कि आर्थिक मजबूरी का अर्थ यह नहीं कि पाकिस्तान की नीतियों में स्थायी परिवर्तन आ गया है। यदि आतंकवाद को समर्थन देने की उसकी सोच में बदलाव नहीं आता तो केवल व्यापार या परिवहन सेवाएं शुरू कर देने से स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकती। इस पूरे घटनाक्रम में अमेरिका और विशेष रूप से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में कोई भी महाशक्ति केवल मानवीय आधार पर हस्तक्षेप नहीं करती। हर देश अपने रणनीतिक हितों को प्राथमिकता देता है। अमेरिका लंबे समय से यह चाहता

> भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की चर्चा एक बार फिर तेज हो गई है। दोनों देशों की 117 प्रमुख हस्तियों द्वारा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को भेजे गए खुले पत्र ने इस बहस को नया आयाम दिया है। पत्र में संवाद बहाल करने, व्यापार शुरू करने, वीजा व्यवस्था आसान बनाने, समझौता एक्सप्रेस और थार एक्सप्रेस को फिर से चलाने, क्रिकेट शृंखला शुरू करने तथा दोनों देशों के बीच जमे अविश्वास को समाप्त करने की अपील की गई है। जब भारत-पाक संबंधों के इतिहास, पाकिस्तान के व्यवहार और वर्तमान वैश्विक राजनीति को ध्यान में रखकर इस प्रस्ताव का विश्लेषण किया जाता है, तब कई गंभीर प्रश्न सामने खड़े हो जाते हैं।

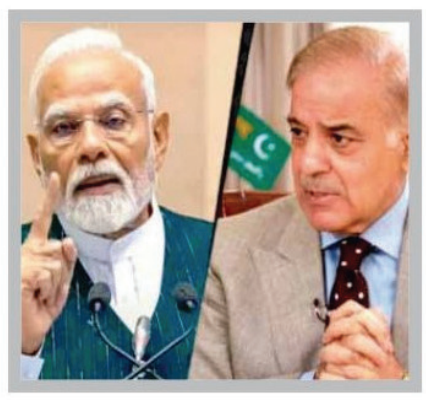

रहा है कि पाकिस्तान पूरी तरह चीन के प्रभाव क्षेत्र में न चला जाए। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा और दोनों देशों की बढ़ती सामरिक साझेदारी अमेरिका के लिए चिंता का विषय रही है। ऐसे में यदि अमेरिका भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद को बढ़ावा देता है तो उसके पीछे क्षेत्रीय शक्ति संतुलन बनाए रखने और पाकिस्तान को अपने प्रभाव क्षेत्र में बनाए रखने की रणनीति भी हो सकती है। ट्रम्प यदि भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों की बहाली का श्रेय लेना चाहते हैं तो यह उनकी राजनीतिक और रणनीतिक सोच का हिस्सा हो सकता है। लेकिन भारत को किसी भी बाहरी दबाव या अंतरराष्ट्रीय छवि के कारण अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करना चाहिए। भारत की विदेश नीति का मूल सिद्धांत यही रहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोपरि है। यदि पाकिस्तान आतंकवाद के ढांचे को समाप्त करने, सीमा पार घुसपैठ रोकने और भारत विरोधी गतिविधियों पर पूर्ण विराम लगाने के लिए ठोस और विश्वसनीय कदम नहीं उठाता, तो केवल वार्ता के नाम पर आगे बढ़ना उचित नहीं होगा। भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न विश्वास का है। विश्वास केवल शब्दों से नहीं बल्कि व्यवहार से बनता है। पाकिस्तान ने अतीत में अनेक बार आश्वासन दिए, लेकिन उसके बाद भी आतंकी घटनाएं होती रहीं। जब तक वह अपने आचरण से यह साबित नहीं करता कि उसने आतंकवाद को स्थायी रूप से त्याग दिया है, तब तक किसी भी व्यापक संबंध बहाली का आधार कमजोर ही रहेगा। कुछ लोग यह तर्क देते हैं कि दोनों देशों के बीच व्यापार और सांस्कृतिक संपर्क बढ़ने से कट्टरता कम होगी और शांति को मजबूती मिलेगी। यह विचार सिद्धांत रूप में आकर्षक लगता है, लेकिन व्यवहार में इसकी सफलता तभी संभव है, जब दोनों पक्ष समान ईमानदारी के साथ आगे बढ़ें। यदि एक देश शांति की बात करे और दूसरा आतंकवाद को संरक्षण देता रहे तो ऐसे प्रयास अंततः विफल हो जाते हैं। इसलिए भारत को किसी भी नई पहल से पहले स्पष्ट शर्त रखनी चाहिए कि आतंकवाद और वार्ता साथ-साथ नहीं चल सकते। भारत ने हमेशा मानवीय मुद्दों पर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया है। चाहे कैदियों की रिहाई का विषय हो, धार्मिक यात्राओं की सुविधा हो या प्राकृतिक आपदाओं के समय सहायता का प्रश्न, भारत ने उदारता दिखाई है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर किसी प्रकार की ढिलाई उचित नहीं हो सकती। भारत आज विश्व की तेजी से उभरती हुई आर्थिक और सामरिक शक्ति है।

ऐसे समय में उसे भावनात्मक निर्णयों के बजाय दूरदर्शी और यथार्थवादी नीति अपनानी होगी। यदि पाकिस्तान वास्तव में संबंध सुधारना चाहता है तो उसे केवल संवाद की अपील करने के बजाय आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई करके अपनी नीयत साबित करनी होगी। यही वह कसौटी है जिस पर भविष्य के किसी भी संबंध की सफलता निर्भर करेगी। अंततः भारत शांति का समर्थक है, लेकिन शांति की कीमत राष्ट्रीय सुरक्षा नहीं हो सकती। मित्रता वहीं टिकाऊ होती है जहां विश्वास, पारदर्शिता और ईमानदारी हो। पाकिस्तान का अब तक का इतिहास इन तीनों मानकों पर संतोषजनक नहीं रहा है। इसलिए भारत को हर प्रस्ताव का स्वागत खुले मन से अवश्य करना चाहिए, लेकिन निर्णय केवल अपने राष्ट्रीय हितों, सुरक्षा और दीर्घकालिक रणनीतिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर ही लेना चाहिए। यदि पाकिस्तान अपने व्यवहार में वास्तविक परिवर्तन लाता है तो दक्षिण एशिया में स्थायी शांति का मार्ग अवश्य प्रशस्त हो सकता है। यदि अतीत की गलतियां दोहराई जाती हैं तो इतिहास एक बार फिर यह सिद्ध करेगा कि केवल संवाद की इच्छा पर्याप्त नहीं होती, उसके लिए भरोसेमंद आचरण भी उतना ही आवश्यक होता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मुद्दा

ओ.पी. पाल

क्या कागजों पर सिमट रही हैं ग्राम सभाएं

भारत की आत्मा गांवों में बसती है और उन गांवों की लोकतांत्रिक आत्मा 'ग्राम सभा' में निहित है। भारतीय संविधान के 73वें संशोधन ने पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देकर सत्ता के विकेंद्रीकरण की जो नींव रखी थी, उसकी सबसे महत्वपूर्ण और प्रत्यक्ष इकाई ग्राम सभा ही है। ग्राम सभा केवल स्थानीय शासन की एक संस्था नहीं है, बल्कि यह देश के हर ग्रामीण नागरिक को सीधे नीति-निर्माण, बजट निर्धारण और विकास कार्यों की निगरानी का अधिकार देने वाला एक सशक्त मंच है। परंतु समय के साथ इस बुनियादी लोकतांत्रिक संस्था की कार्यप्रणाली में कई विसंगतियां और चुनौतियां सामने आई हैं। इनमें सबसे बड़ी और चिंताजनक चुनौती यही है कि आज के इस तकनीकी युग के बावजूद ग्राम सभा की बैठकों में आम नागरिकों की भागीदारी घट रही है। मसलन, केंद्र सरकार और नीति आयोग की जारी ताजा रिपोर्ट ने जमीनी लोकतंत्र की बुनियाद मजबूत करने की चुनौती खड़ी कर दी है। हालांकि यह अध्ययन भारत की ग्रामीण विकास नीतियों को 'संख्या-केंद्रित' से 'परिणाम-केंद्रित' बनाने का एक बेहद सटीक मार्गदर्शक दस्तावेज साबित हो सकता है। दरअसल, देश में जमीनी लोकतंत्र की इसी गंभीर समस्या का बारीकी से अध्ययन करने और इसका समाधान खोजने के लिए केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय के तत्वावधान में एक व्यापक राष्ट्रीय अध्ययन कराया गया। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान, हैदराबाद द्वारा तैयार की गई यह द्वि-खंडीय रिपोर्ट देश में नागरिक-केंद्रित शासन को सुदृढ़ करने की दिशा में एक ऐतिहासिक और साक्ष्य-आधारित दस्तावेज है। जैसा कि रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि नागरिक-केंद्रित शासन देने के लिए जीवंत ग्राम सभाएं अनिवार्य हैं। जब तक देश के गांवों का अंतिम व्यक्ति ग्राम सभा की बैठक शामिल होकर अपने गांव के भविष्य का फैसला करने में सक्षम और उत्सुक नहीं होगा, तब तक लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का सपना अधूरा रहेगा। इस अध्ययन रिपोर्ट को 30 जून 2026 को नई दिल्ली में नीति आयोग के सदस्य डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम और पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज द्वारा इस जारी किया, जिसमें जमीनी लोकतंत्र की कमजोर होती नींव और उसकी चुनौतियों को लेकर चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। भागीदारी में सबसे बड़ी बाधाएं ग्राम सभाओं में लोगों का न आना केवल उदासीनता नहीं, बल्कि इसके पीछे गहरे सामाजिक-आर्थिक और व्यावहारिक कारण हैं। इसमें आजीविका और समय के संकट के कारण 55.5 प्रतिशत भागीदारी न होने का सबसे बड़ा कारण है, इसमें ग्रामीण आबादी का एक बड़ा हिस्सा दैनिक मजदूरी या कृषि पर निर्भर है। जबकि व्यस्त कार्य दिनचर्या (41.74 प्रतिशत) और कृषि कार्यों की व्यस्तता (30.26 प्रतिशत) के कारण लोग अपनी दिहाड़ी छोड़कर बैठकों में नहीं आ पाते। इसके अलावा कम प्रतिनिधित्व वाले समूह को लेकर खुलासा हुआ है कि प्रवासी परिवार (17.61 प्रतिशत), युवा (16.73 प्रतिशत), बुजुर्ग (15.80 प्रतिशत) और महिलाएं (13.40 प्रतिशत) ग्राम सभा की प्रक्रियाओं में सबसे कम शामिल हो पाते हैं। पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज का कथन है कि ग्रामीण भारत में आए बदलावों को रेखांकित करते हुए कहा कि पिछले एक दशक में गांवों तक बुनियादी सुविधाओं की सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित हुई है। अब बारी जमीनी लोकतंत्र को और गहरा करने की है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यह अध्ययन महिलाओं, युवाओं और हाशिए पर रहने वाले समुदायों की भागीदारी बढ़ाने के लिए रणनीतिक कदम उठाने में मील का पत्थर साबित होगा। मंत्रालय जल्द ही राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ मिलकर इस रिपोर्ट की सिफारिशों को जमीन पर लागू करेगा, ताकि देश की ग्राम सभाएं अधिक समावेशी और परिणामोन्मुख बन सकें। इस अध्ययन रिपोर्ट से एक बड़ा संदेश यह भी मिलता है कि ग्राम सभाओं को सफल बनाने का पैमाना केवल 'बैठक में जुटी भीड़' या 'हाजिरी रजिस्टर' नहीं होना चाहिए। वास्तविक सफलता इस बात में है कि चर्चाएं कितनी प्रासंगिक हैं, निर्णय कितने पारदर्शी हैं और शिकायतों का निवारण कितनी तेजी से होता है। जब तक ग्रामीण नागरिकों को ग्राम सभा के निर्णयों का जमीन पर वास्तविक असर नहीं दिखेगा, तब तक उनका भरोसा जीतना नामुमकिन है। ग्राम सभा को विकास कार्यों के सोशल ऑडिट का वास्तविक अधिकार मिलना चाहिए। पंचायत प्रतिनिधियों (विशेषकर महिला सरपंचों और वार्ड सदस्यों) के साथ-साथ आम नागरिकों के लिए भी क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए ताकि वे ग्राम सभा की प्रक्रियाओं को बेहतर समझ सकें।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जीवन का प्रथम अनुबंध किसको माना है

अनुबंध चतुष्टय में 'अधिकारी' को प्रथम अनुबंध स्वीकार किया गया है। मानव की आध्यात्मिक और लौकिक यात्रा के निर्विघ्न संचालन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। लोक में इसके लिए योग्यता या पात्रता पद का प्रयोग होता है, जिसका तात्पर्य है, किसी कार्य के निष्पादनार्थ पात्रता प्राप्त करना। सामान्यतः प्रत्येक कार्य के लिए प्रत्येक व्यक्ति पात्र नहीं होता। इसलिए अनधिकारी व्यक्ति द्वारा किया गया कार्य सफल और लोकमंगलकारी हो, यह आवश्यक नहीं, परंतु अधिकारी (पात्र) व्यक्ति द्वारा किया गया प्रत्येक कार्य सफल भी होता है और लोकमंगलकारी भी। इसलिए अधिकारी आत्मिक और जागतिक कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने वाला मानव जीवन का प्रथम अनुबंध है। इसीलिए इसे शास्त्रों में विशेष महत्व दिया गया है। वेदांत में अधिकारी को परिभाषित करते हुए कहा गया-जिसने विधिवत ज्ञान प्राप्त कर काम्य एवं निषिद्ध कर्मों का परित्याग कर दिया है। नित्य, नैमित्तिक और उपासनादि कर्म करने से जिसकी बुद्धि परिष्कृत और अंतःकरण निर्मल हो चुका है, ऐसा पापरहित व्यक्ति ही विशिष्ट ज्ञान का अधिकारी है। विश्वामित्र आदि ऋषियों ने अधिकारी समझकर ही राम को विविध आयुध प्रदान किए, जिससे उनका दुरुपयोग न हो सके। जैसे अधिकारी व्यक्ति का ज्ञान लोकमंगल के लिए होता है, उसी प्रकार अधिकारी को प्रदान की गईं शक्तियां समाज, देश और मानवता की रक्षा के लिए होती हैं। जब भी अनधिकारी को शक्तियां प्रदान की गई हैं, उनका दुरुपयोग ही हुआ है।

संकलित
दर्शन

स्वयं के धर्म की चिंता

एक आदमी तालाब के किनारे बैठ कर कुछ सोच रहा था। तभी उसने पानी में किसी के डूबने की आवाज सुनी और उसने तालाब की तरफ देखा तो उसे एक बिच्छू तालाब में डूबता दिखाई दिया। अचानक ही वह आदमी उठा और तालाब में कूद गया। उस बिच्छू को बचाने के लिए उसने उसे पकड़ लिया और तालाब के बाहर लाने लगा। इससे घबराकर बिच्छू ने उस आदमी को डंक मारा। आदमी का हाथ खून से भर गया वो जोर-जोर से चिल्लाने लगा, उसका हाथ खुल गया और बिच्छू फिर पानी में गिर गया। आदमी फिर उसके पीछे गया। उसने बिच्छु को पकड़ा। लेकिन बिच्छू ने फिर से उसे काट लिया। यह बार-बार होता रहा। यह पूरी घटना दूर बैठा एक आदमी देख रहा था। वो उस आदमी के पास आया और बोला - अरे भाई ! वह बिच्छू तुम्हे बार-बार काट रहा है। तुम उसे बचाना चाहते हो, वो तुम्हे ही डंक मार रहा है। तुम उसे जाने क्यूँ नहीं देते? मर रहा हैं अपनी मौत, तुम क्यूँ अपना खून बहा रहे हो? तब उस आदमी ने उत्तर दिया - भाई ! डंक मरना तो बिच्छू की प्रकृति है। वह वही कर रहा है लेकिन मैं एक मनुष्य हूँ, और मेरा धर्म है दूसरों की सेवा करना और मुसीबत में उनका साथ देना। अतः बिच्छू अपना धर्म निभा रहा है और मैं मेरा।

संकलित
प्रेरणा

अंतर्मन

आज की पाती

खतरनाक गर्मी का बढ़ता संकट

दुनिया के शहरों पर एक ऐसा संकट तेजी से गहराता जा रहा है, जो दिखाई कम देता है, लेकिन असर सबसे ज्यादा करता है-खतरनाक गर्मी। विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट के अनुसार 2050 तक शहरी इलाकों में अत्यधिक गर्मी से प्रभावित गरीबों की संख्या में लगभग 700 फीसदी तक की वृद्धि हो सकती है। यह आंकड़ा सिर्फ एक चेतावनी नहीं, बल्कि आने वाले शहरी भविष्य की भयावह तस्वीर है, खासकर ग्लोबल साउथ, यानी एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमरीका के तेजी से बढ़ते शहरों के लिए। गर्मी का यह संकट सीधे तौर पर क्लाइमेट चेंज और अनियोजित शहरीकरण से जुड़ा है। शहरों में कंक्रीट, डामर और धातु की अधिकता प्राकृतिक हरियाली को खत्म कर देती है। इस समस्या का समाधान खोजना होगा। - सुषमा राजपूत, रोहतक

ट्रेंड

इंफ्रास्ट्रक्चर में बदलाव

केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में 7,145 करोड़ रुपये की लागत वाले कानपुर-कावरई एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड हाईवे के निर्माण को मंजूरी दी गई है। यह फैसला भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर में बदलाव की दिशा में एक और अहम कदम है।
- राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री

नई संभावनाएं

यह हिमाचल प्रदेश के लिए गर्व का क्षण है। पहली बार, राज्य से ताजी चेरी और आलूबुखारे की खेप ओमान पहुँची है। ओमान में हिमाचल के फलों को मिली सराहना ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं।
-सुखविंदर सिंह सुखु, सीएम, हिमाचल प्रदेश

अत्यंत दुखद

बेंगलुरु में मद्दापट्टाना की पत्थर की खदान में हुए भीषण हादसे में बिहार के प्रवासी मजदूर भाइयों के असमय निधन की खबर अत्यंत दुखद है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि दिवंगत आत्माओं को उनके पवित्र चरणों में स्थान मिले।
- सम्राट चौधरी, सीएम, बिहार

सत्ता का गलत इस्तेमाल

बीजेपी अपनी सत्ता का गलत इस्तेमाल करके बीजेपी-शासित राज्यों, खासकर पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का खराब माहौल बना रही है और पुलिस का राजनीतिकरण कर रही है। जनता इस नकारात्मक व्यवहार से बेहद आक्रोशित है।
-अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

ऑस्ट्रेलिया में राष्ट्रीय किराया वहनीयता योजना समाप्त

ऑस्टेलिया का वित्तीय वर्ष एक जुलाई को समाप्त हो गया और इसी के साथ 'राष्ट्रीय किराया वहनीयता योजना' भी समाप्त हो गई, जिसके तहत देश भर में 35,000 से ज्यादा किफायती किराए के घर उपलब्ध कराए गए थे। यह योजना 2008 में रड सरकार ने घरों के महंगे होते जाने की समस्या के मद्देनजर शुरू की थी। लेकिन बाद में 2014 में एबॉट सरकार ने इसे बंद कर दिया और 2016 के बाद किसी भी नए घर को इसके तहत मंजूरी नहीं दी गई। इस जून में, आखिरी 3,600 संपत्तियां भी इस योजना के दायरे से बाहर हो गई हैं। आखिरकार, इस योजना ने अपने कुछ मुख्य वादे पूरे किए। इसने काफी कम समय में किफायती किराए के घरों की आपूर्ति बढ़ाई और ऐसे घर बनाए जो इसके बिना नहीं बन पाते। लेकिन इसके आलोचक भी रहे हैं, जिन्होंने इसे लागू करने के तरीके और इसके नतीजों में कई कमियां गिनाईं। तो, पीछे मुड़कर देखें तो इस अनुभव से हम क्या सीख सकते हैं? और क्या सरकार ने इस योजना के बंद होने से आई रिक्तता को दूर करने के लिए कोई कदम उठाया है? हाशिये पर रह रहे समूह के लिए सस्ता किराया इस योजना के तहत डेवलपर्स को किफायती किराये के घर उपलब्ध कराने के लिए आर्थिक प्रोत्साहन दिया गया।

ऑफ बीट

काम करते हुए क्या अंडर डेस्क ट्रेडमिल फायदेमंद है

हालिया सर्वेक्षणों के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया में 67 लाख से अधिक लोग-यानी लगभग आधे कर्मचारी-कम से कम कुछ समय के लिए घर से काम करते हैं। सिडनी, मेलबर्न और कैनबरा में यह संख्या सबसे अधिक है। घर से काम बढ़ने के साथ लंबे समय तक बैठने की आदत भी बढ़ी है, जिसे अब स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह माना जाता है। दफ्तर जाकर काम करने पर रोजमर्रा की गतिविधियां-जैसे चलना, खड़े रहना, सहकर्मियों से मिलने जाना या बाहर लंच लेने जाना-अपने आप हो जाती हैं, लेकिन घर से काम करते समय यह कम हो जाती हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या काम के दौरान अंडर-डेस्क ट्रेडमिल या वॉकिंग पैड का इस्तेमाल कर चलना फायदेमंद हो सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि नियमित रूप से चलने से रक्तचाप और ग्लूकोज सहनशीलता जैसे स्वास्थ्य संकेतकों में सुधार होता है। हालिया शोध में प्रतिदिन करीब 7,000 कदम चलने को कई बीमारियों की रोकथाम के लिए पर्याप्त लक्ष्य बताया गया है। शोध यह भी बताते हैं कि लंबे समय तक बैठे रहने के बजाय छोटे-छोटे अंतराल में बार-बार चलना या हल्की गतिविधि करना एक बार में लंबी सैर से अधिक लाभकारी हो सकता है।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर
जिला सरगुजा छ०ग०
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती उषा गर्ग पति राजेश गर्ग, उम्र 36 वर्ष, जाति अग्रवाल निवासी अग्रसेन चौक अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदिका के द्वारा अनावेदक आनंद कुमार अग्रवाल आ.स्व. नागरमल अग्रवाल, जाति अग्रवाल के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर, मोहल्ला सदर रोड़ स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 3196/4817/18 रकबा 346.5 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 10.06.2026 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदिका द्वारा आवेदित भूखण्ड का नामांतरण स्वयं के नाम से किये जाने हेतु पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-10/07/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक-25/06/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती रत्ना सोनी आ०/पति अखिलेश कुमार सोनी जाति निवासी स्कूल रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-स्कूल रोड़, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1169/12 रकबा 1600 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.03.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-13/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 23/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर (केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

स.क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक / दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये लाख में)
1	194278 द्वितीय आमंत्रण 25.06.2026	जिला मोहला मानपुर अ.चौकी के रेतेगांव से हुरेली मार्ग लंबाई 3.00 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	426.32
2	194275 द्वितीय आमंत्रण 25.06.2026	जिला गरियाबंद के राजिम–चौबेबांधा–नवागांव मार्ग लंबाई 3.30 कि.मी. का चौड़ीकरण कार्य पुल पुलिया सहित।	799.63
3	194280 द्वितीय आमंत्रण 25.06.2026	जिला गरियाबंद के चौबेबांधा से सिंघौरी पहुंच मार्ग लंबाई 3.60 कि.मी. का निर्माण कार्य, पुल पुलिया सहित।	438.97
4	194284 द्वितीय आमंत्रण 25.06.2026	हेडसपुर बहेराडी से लगरा मार्ग लंबाई 3.00 कि.मी. का निर्माण कार्य।	367.09
5	194288 चतुर्थ आमंत्रण 25.06.2026	जिला बेमेतरा के मोहगांव – बुधवारा मार्ग में सुरही नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	355.09
6	194292 द्वितीय आमंत्रण 25.06.2026	जिला कोण्डागांव के मर्दापाल में शासकीय महाविद्यालय भवन निर्माण कार्य, सेनेटरी फिटिंग एवं विद्युतीकरण सहित कार्य।	453.98
7	194294 द्वितीय आमंत्रण 25.06.2026	जिला महासमुंद के कोकडी से चकददा मार्ग लंबाई 2.50 कि.मी. पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	262.21
8	194296 द्वितीय आमंत्रण 25.06.2026	जिला धमतरी के राजनांदगांव गुण्डरदेही धमतरी नगरी सिहावा बोराई मार्ग (राज्यमार्ग क्र. 23) पहुंच मार्ग के निर्माण कि.मी. 143/2 से 154/10 = 11.94 कि.मी. में मजबूतीकरण एवं डामर नवीनीकरण कार्य।	668.28
9	194309 द्वितीय आमंत्रण 25.06.2026	जिला सुकमा विकासखण्ड –कोन्टा के ग्राम नुलकातोंग में 100 सीटर छात्रावास भवन निर्माण कार्य, विद्युतीकरण सहित, जमा मद।	238.02
10	194302 प्रथम आमंत्रण 25.06.2026	जिला रायगढ के तारापुर–टुण्ड्री मार्ग के माण्ड नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	1381.74
11	194303 प्रथम आमंत्रण 25.06.2026	जिला दुर्ग धमधा बेमेतरा राज्य मार्ग के कि.मी. 40/2 में टेंगना नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	535.38
12	194306 प्रथम आमंत्रण 25.06.2026	जिला मुंगेली के सेमरसल (बटहा) झझपुर खुर्द मार्ग में रहन नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	278.62
13	194307 प्रथम आमंत्रण 25.06.2026	जिला मनेन्द्रगढ चिरमिरी भरतपुर के पाराडोल से पाराडोल से मेरो मार्ग पर कौडिया नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	481.04
14	194308 प्रथम आमंत्रण 25.06.2026	जिला मुंगेली के भठलीखुर्द– सेमरसल मार्ग में रहन नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	350.24
15	194290 द्वितीय आमंत्रण 25.06.2026	जिला दुर्ग के अंतर्गत राज्य मार्गों पर जंक्शन सुधार का कार्य एवं आई .आर.सी. के प्रावधानानुसार क्रेश बेरियर लगाने का कार्य।	342.35
16	194293 द्वितीय आमंत्रण 25.06.2026	जिला धमतरी के राजनांदगांव गुण्डरदेही धमतरी नगरी सिहावा बोराई (राज्य मार्ग क्र. 23) के कि.मी. 121/2 से 139/10 = 19.00 कि.मी. में मजबूतीकरण एवं डामरीकरण कार्य।	1170.83
17	194300 द्वितीय आमंत्रण 25.06.2026	मुख्य मार्ग से सेमरिया लछनपुर तक मार्ग लंबाई 2.00 कि.मी. का निर्माण कार्य।	216.39
18	194295 द्वितीय आमंत्रण 25.06.2026	जिला बालोद के उमरादाह से निपानी मार्ग लंबाई 12.00 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	304.29

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथी सं.क. 05 दिनांक 13.07.2026, स.क्र. 10 से सं.क्र. 14 दिनांक 21.07.2026 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 16.07.2026 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

जी 262701870/1

जन्मदिवस विशेष

बागेश्वर धाम को नई पहचान देने वाले युवा संत धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

छतरपुर। जिले की राजनगर तहसील का गढ़ा गांव आज बागेश्वर धाम के रूप में देश-विदेश में प्रसिद्ध है। इस पहचान के पीछे बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है। उन्होंने अपनी कथाओं, धार्मिक आयोजनों और सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से इस क्षेत्र को नई पहचान दिलाई है।

साधारण परिवार से निकलकर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कम उम्र में लाखों श्रद्धालुओं के बीच अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। उनकी श्रीराम कथा और हनुमंत कथा में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। उनके सहज स्वभाव, सरल भाषा और बुंदेली शैली ने उन्हें जनमानस, विशेषकर युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाया है।

बागेश्वर धाम में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला निर्धन कन्या विवाह महोत्सव उनकी प्रमुख सामाजिक पहलों में शामिल है। श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क अन्नपूर्णा भोजशाला की व्यवस्था तथा क्षेत्र में निर्माणाधीन कैंसर अस्पताल जैसी पहलें भी जनसेवा के प्रति उनकी सोच को दर्शाती हैं। बागेश्वर धाम में बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या से स्थानीय व्यापार, पर्यटन और स्वरोजगार को भी गति मिली है।

जन्मदिवस के अवसर पर उनके अनुयायी देशभर में विविध धार्मिक और सेवा कार्यों का आयोजन कर रहे हैं। इस अवसर पर श्रद्धालुओं की कामना है कि पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री समाजसेवा, आध्यात्मिक जागरण और भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार के अपने प्रयासों को निरंतर आगे बढ़ाते रहें तथा बागेश्वर धाम की प्रतिष्ठा नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं।

-राजीव शुक्ला

अपराधियों को बचा रही है मऊ पुलिस राइफल से हमले की कोशिश की गई थी

संवाददाता

चित्रकूट। मऊ नगर पंचायत अंतर्गत शिवपुर में दो पक्षों में खूनी संघर्ष हुआ था। पुरानी रंजिश को लेकर के दोनों पक्षों में पथराव लाठी डंडे से हमला तथा लाइसेंस राइफल निकाल करके हमले की कोशिश की गई थी। पीड़ित पक्ष रहमत अली ने बताया कि मेरे लड़के के ऊपर कल्लू, हबीब खान, अज्जू खान खान आदि लड़कों ने अचानक हमला कर दिया। मेरी पत्नी और मेरा छोटा भाई मेरे लड़के को बचाने गए तो उनके सर में पत्थर मारे गए जिसमें मेरी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई थी। कल्लू खान व बाकर अली के लड़कों ने हम पर जानलेवा हमला करने की कोशिश किया। बाकर अली के लड़के हबीब खान व अज्जू ने पिता की लाइसेंस की राइफल निकाल करके हमको मारने की कोशिश किया। रहमत अली ने बताया कि मैं अपनी बीवी को लेने गया तो उसने मेरे ऊपर राइफल तान दिया मैं डर के मारे वहां से अपनी बीवी को ले भागा। रहमत अली ने बताया कि बाकर अली पुराना समाजवादी पार्टी का नेता भी है उसका लड़का हबीब खान अनैतिक कार्यों में दलाली भी करता है। रहमत अली ने बताया कि बाकर अली के लड़के पैसे के बल में मामले को छुपाने का कोशिश भी किया है। पीड़ित पक्ष ने बताया कि बाकर अली का जो लड़का राइफल निकला था वह ओरिजिनल थी और बाद में उसने तथ्य को छुपाने के लिए चिड़ी मार राइफल दिखा दिया। रहमत अली ने बताया कि वायरल वीडियो में जो राइफल है उसका पीला बट है और चिड़ी मार राइफल का लाल बट दिख रहा है। आजकल पुलिस चाहे जितना भी अपराधी को बचाने का काम करें लेकिन वायरल वीडियो सोशल मीडिया दूध का दूध पानी का पानी कर देती है। रहमत अली ने बताया कि बाकर अली का लड़का लुटेरी दुल्हन गैंग में भी काम करता जिससे वह पुलिस को काफी पैसा कमवाता है इसलिए वह अपने ही घर के मामले में अपने को आसानी से बचा लिया। रहमत अली का कहना है कि पुलिस को पैसा देकर के हमें अभी जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। रहमत अली ने बताया कि पुलिस तो पैसे में बिक जाती है और एक बड़े ही मामले को दबाने में अपराधियों का साथ भी देती है। रहमत अली ने बताया कि यदि हमें न्याय नहीं मिला तो बाकर अली, कल्लू खान के लड़कों से हमें जान का खतरा भी है। इस घटना के बाद स्थानीय पुलिस पब्लिक को गुमराह कर रही है इस बात का पता चला है। इसीलिए चित्रकूट जनपद में आए दिन अपराधियों द्वारा छोटी से बड़ी घटनाएं की जा रही है और पुलिस का डर उनको नहीं है।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं विनोद राजवाड़े आ. रामनारायण राजवाड़े उम्र 35 वर्ष ग्राम पंचायत कंठी थाना व तहसील दरिमा, जिला सरगुजा (छ. ग.) का निवासी हूं।

मेरे पुत्र का सही नाम आयुष राजवाड़े है तथा यही नाम से नामकरण किया गया है।

मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में घरेलू / पुकारू नाम आशीष राजवाड़े अंकित किया गया है जो कि गलत है।

मेरे पुत्र का सही नाम आयुष राजवाड़े है तथा उसके जन्म प्रणाम पत्र में भी सही नाम आयुष राजवाड़े अंकित किया जाये। जिस हेतु मैं स्वयं का शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहा हूं।

विनोद राजवाड़े
आ. रामनारायण राजवाड़े
ग्राम पंचायत कंठी
थाना व तहसील दरिमा
जिला सरगुजा (छ. ग.)

इलाहाबाद हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी

हलाल-3 तलाक अंतरात्मा को झकझोरने वाले काले पन्ने जैसे

रस्म रिवाजों में फंसा कर महिला के यौन शोषण की इजाजत नहीं दी जा सकती

एजेंसी ▶▶ इलाहाबाद

अमरोहा में निकाह के चक्रव्यूह में फंसाकर यौन शोषण किया

हाईकोर्ट ने कहा कि निकाह, हलाला और तीन तलाक जैसे रस्म -रिवाजों के चक्रव्यूह में फंसा कर महिला के यौन शोषण की इजाजत नहीं दी जा सकती। यह हमारे समाज का वह काला पन्ना है, जो संवैधानिक मूल्यों, समानता और मानवीय गरिमा की अवधारणा से कोसों दूर है। ये कृत्य न केवल कानूनन अपराध हैं, बल्कि ये समाज की सामूहिक अंतरात्मा को झकझोरने वाले हैं। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने पीड़िता के पूर्व पति, चाचा, मौलाना समेत अन्य रिश्तेदारों की याचिका खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि व्यक्तिगत कानूनों की आड़ में अपराधों का संरक्षण नहीं किया जा सकता। प्रथम दृष्टया यह मामला नाबालिग संग सोची समझी रणनीति के साथ सामूहिक दुष्कर्म का है। इसकी गहन जांच जरूरी है।

मामला अमरोहा के सैदनागली थाना क्षेत्र का है। एफआईआर के मुताबिक पीड़िता का निकाह 2015 में तब हुआ था जब वह महज 15 वर्ष की थी। इसके बाद तीन तलाक, फिर निकाह हलाला और पुनः निकाह के चक्रव्यूह में फंसाकर उसका लगातार यौन शोषण किया गया। पीड़िता का आरोप है कि 19 फरवरी 2025 को फिर से निकाह का झांसा देकर उसे हलाला के नाम पर दरिंदगी का शिकार बनाया गया। धार्मिक प्रथाओं का हवाला देते हुए आरोपियों ने अलग-अलग चार याचिकाएं दाखिल कर मुकदमा रद्द करने व गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग की। लेकिन कोर्ट ने तल्ख टिप्पणियों संग याचिका खारिज कर दी।

आरोपियों की भूमिका कानूनों के खिलाफ रही

आदेश के अंत में कोर्ट ने कहा कि अब तक जो भी तथ्य सामने आए हैं, वे अंतरात्मा को झकझोर देने वाले हैं। यहां सभी आरोपियों ने ऐसे गिरोह के रूप में जो भूमिका निभाई, वह प्रथम दृष्टया देश के कानूनों के खिलाफ है। कुछ की भूमिका सहायक या षड्यंत्रकारी के रूप में हो सकती है, लेकिन विवेचना के इस प्रारंभिक स्तर पर उन्हें एफआईआर रद्द कराने की मांग करने का हक नहीं है।

चित्रकूट में डबल इंजन आपस में लड़ेंगे तो सपा मार ले जाएगी विधानसभा सीट

चित्रकूट। 2027 का चित्रकूट का विधानसभा चुनाव कठिनाई की ओर बढ़ता हुआ। वर्तमान विधायक अविनाश चंद्र द्विवेदी ने विधानसभा 237 का चुनाव जीता तथा अपने मेहनत व विकास कार्यों की वजह से फिर से चुनाव में उतरना चाहते हैं। मऊ मानिकपुर विधायक को पिछले चुनाव में काफी मशक्कत करनी पड़ी थी क्योंकि समाजवादी पार्टी को हराना उनके लिए कठिन काम हो गया था। मऊ मानिकपुर विधायक ने 8 करोड़ का टिकट खरीदने के बावजूद सरकारी निधि से एक भी पैसा नहीं खाया ना खाने दिया।

न्यायालय नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका सुरेश प्रसाद सोनी आ०/ पति रामअवतार सोनी जाति निवासी स्कूल रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-स्कूल रोड़, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1433/4, 1433/5, 1434/4, 1434/5 रकबा 665, 367, 855, 250 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.03.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-13/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 23/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका लड्डू प्रसाद सोनी आ०/पति जगरनाथ प्रसाद सोनी जाति निवासी स्कूल रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोह मोहल्ला-मायापुर, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1590/2, 1590/3 रकबा 0.06, 0.06 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.03.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 23/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका लड्डू प्रसाद सोनी आ०/पति जगरनाथ प्रसाद सोनी जाति निवासी स्कूल रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-मायापुर, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1637/7, 1637/8 रकबा 0.01 3/4, 0.01 3/4 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.03.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 23/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका अखिलेश कुमार सोनी आ०/पति सुरेश प्रसाद सोनी जाति निवासी स्कूल रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-स्कूल रोड़, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1169/9 रकबा 1627 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.03.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-13/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 23/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती एल्ली अम्मा ओमन आ०/ पति पी०एम० ओमन जाति, निवासी मणीपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-मणीपुर, शीट नम्बर-10 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 4183/4861/7 रकबा 0.05 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.03.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-13/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 23/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक /आवेदिका श्रीमती शकुन्तला मेहरोत्रा आ०/पति स्व० अशोक मेहरोत्रा व अन्य 03 जाति निवासी दरीपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला दरीपारा, शीट नम्बर-10 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3951/4 रकबा 0.04 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.03.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 13/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 23/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

कलेक्टर ने बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीका लगवाने की अपील

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जिले की किशोरी बालिकाओं को सर्वाइकल (गर्भाशय ग्रीवा) कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है। यह अभियान 31 अगस्त तक चलेगा। इस अभियान के तहत जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं जिला चिकित्सालय में पात्र किशोरियों को निःशुल्क एचपीवी वैक्सीन लगाई जा रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी.एस. जात्रा ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत 14 वर्ष

पूर्ण कर चुकी तथा 15 वर्ष से कम आयु की किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। एचपीवी वैक्सीन टीकाकरण हेतु वही किशोरियां पात्र होंगी जिन्होंने अपना 14 वाँ जन्मदिन मना लिया हो परंतु 15वाँ जन्मदिन ना मनाया हो। आयु के प्रमाण हेतु आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, फोटो आई.डी. कार्ड मान्य किया जाएगा। वैक्सीनेशन के लिए जिला अस्पताल सहित जिले के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि पात्र बालिकाओं को आसानी से टीकाकरण का लाभ मिल सके।

कलेक्टर ने अभिभावकों से की विशेष अपील

कलेक्टर रोहित व्यास ने जिले के सभी अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि बेटियों का स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। एचपीवी वैक्सीन उन्हें भविष्य में होने वाले सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाने का प्रभावी माध्यम है। सभी पात्र किशोरियों का समय पर निःशुल्क टीकाकरण अवश्य कराएं और इस जन स्वास्थ्य अभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा यह सुविधा पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। इसलिए किसी भी पात्र किशोरी को इस महत्वपूर्ण टीकाकरण से वंचित न रहने दें। समय पर लगाया गया यह टीका भविष्य में गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान कर बेटियों के स्वस्थ, सुरक्षित और उज्ज्वल जीवन की मजबूत नींव रखेगा।

गंभीर कैंसर से बचाव का प्रभावी माध्यम है एचपीवी वैक्सीन

सीएमएचओ डॉ. जात्रा ने बताया कि एचपीवी टीकाकरण का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ 28 फरवरी को किया गया था। यह टीका गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय माना जाता है। समय पर टीकाकरण से भविष्य में इस गंभीर बीमारी के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार एचपीवी वैक्सीन न केवल सर्वाइकल कैंसर बल्कि गुदा, गले एवं अन्य प्रकार के कैंसर तथा जननांग मस्सों के लिए जिम्मेदार ह्यूमन पैपिलोमा वायरस संक्रमण से भी सुरक्षा प्रदान करती है।

हल्दीझरिया में गौवंश वध, 4 आरोपी जेल भेजे गए, एसएसपी बोले- फरार भी होंगे गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। बागबहार थाना क्षेत्र में गौवंश वध के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। चार आरोपियों को गिरफ्तार कर हथियार, दो मोटरसाइकिलें और एक टॉर्च जब्त की गई है। दो आरोपी फरार हैं जिनकी तलाश में दबिश दी जा रही है।

खेत के गड्ढे में मिला था धड़

30 जून को ग्राम बरखोरिया, थाना लैलूंगा जिला रायगढ़ निवासी खेमानिधि यादव ने शिकायत की थी कि चार लोग दो मोटरसाइकिलों और पैदल एक गौवंश को मुडाबहला की ओर ले जा रहे थे। पूछने पर खरीदकर ले जाने की बात कही, लेकिन ग्रामीणों को शक हुआ। तलाश करने पर ग्राम हल्दीझरिया के पास खेत के गड्ढे में गौवंश का वध किया हुआ धड़ मिला। मौके से गाय की खाल, सिर, चारों पैर, कान का बिल्ला, रस्सी, गोबर, खून के निशान और मांस काटने में प्रयुक्त लकड़ी का गुटका बरामद हुआ।

पूछताछ में कबूला जुर्म

पशु चिकित्सा अधिकारी के साथ घटनास्थल का निरीक्षण कर भौतिक साक्ष्य जब्त किए गए। जांच में ग्राम बिरीमडेगा से मुख्य आरोपी अयजक एक्का (35) को हिरासत में लिया। उसने सुशील कुजूर (28), प्रमोद एक्का (30), अगस्तुस तिर्की (34) तथा दो अन्य के साथ गौवंश वध करना स्वीकार किया। पुलिस ने चारों को गिरफ्तार कर निशानदेही पर हथियार, दो बाइक और टॉर्च जब्त की। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम, 2004 की धारा 4, 5, 6 और 10 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मुख्यमंत्री 5 जुलाई को करेंगे थोक बाजार डूमरतराई फेस-2 का नामकरण एवं लोकार्पण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा विकसित रायपुर के डूमरतराई थोक बाजार फेस-2 के नामकरण एवं लोकार्पण समारोह का आयोजन 5 जुलाई 2026 (रविवार) को शाम 5:00 बजे किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। समारोह की अध्यक्षता आवास एवं पर्यावरण, वित्त, वाणिज्यिक कर, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री ओ.पी. चौधरी करेंगे। कार्यक्रम में मंत्री केदार कश्यप, मंत्री गुरु

खुशवंत साहेब तथा रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा विधायक राजेश मूणत, मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा, सुनील सोनी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव, रायपुर महापौर श्रीमती मीनल चौबे, जिला पंचायत रायपुर के अध्यक्ष नवीन अग्रवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक समारोह में शामिल होंगे।

सहकारी सप्ताह पर कुनकुरी में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में उमड़े ग्रामीण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की स्थापना के पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारत सरकार एवं राज्य शासन के निदेर्शानुसार जिले में 29 जून से 6 जुलाई तक सहकारी सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित कुनकुरी के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुनकुरी स्थित जनऔषधि केंद्र में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से आवश्यक परामर्श

प्राप्त किया। शिविर के दौरान चिकित्सकों द्वारा नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के अनुसार आवश्यक परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। जरूरतमंद मरीजों को आवश्यक दवाइयां भी उपलब्ध कराई गईं। विशेषज्ञों ने लोगों को समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने तथा किसी भी बीमारी के प्रारंभिक लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करने की सलाह दी। चिकित्सकों ने शिविर में आए नागरिकों को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, संतुलित एवं पौष्टिक आहार, स्वच्छता, योग एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही विभिन्न मौसमी बीमारियों से बचाव एवं व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई।

सहकारिता और जनसेवा का प्रभावी समन्वय

कार्यक्रम में सहकारिता विभाग, अपेक्स बैंक एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता रही। स्थानीय नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक शिविर का लाभ उठाया। सहकारी सप्ताह के अंतर्गत आयोजित यह शिविर सहकारिता संस्थाओं के माध्यम से आमजन तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने तथा जनकल्याणकारी गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। सहकारी सप्ताह के दौरान जिले में किसानों एवं आम नागरिकों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से विभिन्न जनजागरूकता एवं जनहितकारी कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर किया जा रहा है, जिससे सहकारिता आंदोलन को और अधिक सशक्त बनाने के साथ-साथ समाज के प्रत्येक वर्ग तक शासन की सुविधाओं का लाभ पहुंचाया जा सके।

11 हजार दिव्यांगजनों को स्वरोजगार के लिए मिलेगा ऋण, कौशल प्रशिक्षण भी होगा अनिवार्यः लोकेश कवाड़िया

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। प्रदेश के दिव्यांगजनों को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम ने बड़ी पहल करते हुए 11 हजार दिव्यांगजनों को स्वरोजगार के लिए ऋण उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके साथ ही हितग्राहियों को कौशल विकास प्रशिक्षण, उद्यमिता मार्गदर्शन और विपणन सहयोग भी प्रदान किया जाएगा। छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कवाड़िया ने राष्ट्रीय दिव्यांगजन

वित्त एवं विकास निगम (एनडीएफडीसी) से अधिकृत विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों की बैठक लेकर स्वरोजगार ऋण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा की। बैठक को संबोधित करते हुए कवाड़िया ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य दिव्यांगजनों को केवल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उन्हें सफल उद्यमी बनाकर प्रदेश की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदार बनाना है। उन्होंने कहा कि स्वरोजगार के माध्यम से दिव्यांगजन आत्मसम्मान के साथ आजीविका अर्जित कर सकेंगे और आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगे। उन्होंने बताया कि स्वरोजगार ऋण प्राप्त करने वाले प्रत्येक हितग्राही के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण अनिवार्य किया जाएगा। निगम द्वारा विकसित किए जा रहे प्रशिक्षण केंद्रों में तकनीकी दक्षता के साथ वित्तीय प्रबंधन, उद्यमिता विकास तथा व्यवसाय संचालन का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे लाभार्थी अपने उद्यम का सफलतापूर्वक संचालन कर सकें। कवाड़िया ने कहा कि दिव्यांग उद्यमियों को व्यवसायिक परामर्श, नियमित मार्गदर्शन और विपणन सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी।

16वें वित्त आयोग की अनुशंसाओं पर राष्ट्रीय कार्यशाला में शामिल हुए उपमुख्यमंत्री शर्मा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। नई दिल्ली में आयोजित 16वें वित्त आयोग की अनुशंसाओं पर राष्ट्रीय कार्यशाला में छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा शामिल हुए। कार्यशाला में विभिन्न राज्यों के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों तथा नीति-निमार्ताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर ग्रामीण स्थानीय निकायों को वित्तीय संसाधनों के आवंटन, पंचायतों की वित्तीय क्षमता को सुदृढ़ करने तथा 16वें वित्त आयोग की अनुशंसाओं के

प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। कार्यशाला में स्थानीय निकायों की वित्तीय स्वायत्तता, बेहतर सेवा प्रदायगी, पारदर्शिता, जवाबदेही और प्रदर्शन आधारित अनुदान व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष चर्चा हुई। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कार्यशाला के विभिन्न तकनीकी सत्रों में सहभागिता करते हुए पंचायतों एवं ग्रामीण विकास से जुड़े मुद्दों पर आयोजित प्रस्तुतियों और विचार-विमर्श का अवलोकन किया। छत्तीसगढ़ को ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए 11,664 करोड़ रुपए का अनुदान कार्यशाला के दौरान 16वें वित्त आयोग द्वारा ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए प्रस्तावित अनुदान की जानकारी साझा की गई। आयोग की अनुशंसाओं के अनुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 की अवधि में छत्तीसगढ़ को कुल 11,664 करोड़ रुपए का अनुदान प्राप्त होगा। इसमें 9,331 करोड़ रुपए बेसिक ग्रांट तथा 2,333 करोड़ रुपए परफॉर्मेंस ग्रांट शामिल हैं। वहीं, ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए अंतर-राज्यीय अनुदान वितरण में छत्तीसगढ़ की हिस्सेदारी 2.68 प्रतिशत निर्धारित की गई है।

नर चीतल के अवैध शिकार का खुलासा, सात आरोपी गिरफ्तार, न्यायालय ने भेजा जेल

सरकार की सख्ती से वन्यजीव अपराधों पर लग रहा अंकुश, वन्यजीव संरक्षण को मिल रही मजबूती

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सशक्त नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार वन, वन्यजीव और जैव विविधता के संरक्षण के लिए लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में वन विभाग और छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम द्वारा अवैध शिकार के विरुद्ध विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। इन अभियानों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। इसी क्रम में कवर्धा परियोजना मंडल ने नर चीतल के अवैध शिकार के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत

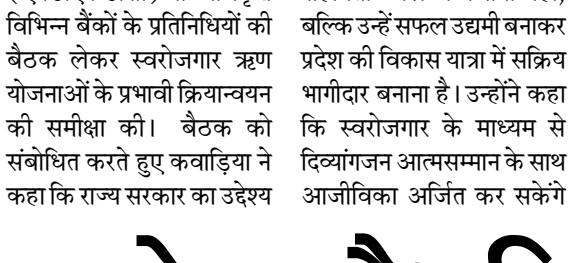

किए जाने के बाद जेल भेज दिया गया।

मुखबिर की सूचना पर योजनाबद्ध कार्रवाई

वन विकास निगम के बोड़ला परियोजना परिक्षेत्र के भलपहरी बीट स्थित जंगल में शिकारियों ने जाल बिछाकर लगभग तीन वर्ष के नर चीतल का शिकार किया। इसके बाद उसके मांस को पकाकर आपस में बांटने की तैयारी की जा रही थी। मुखबिर से मिली सूचना पर वन विकास निगम की टीम ने तत्काल योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर दबिश दी और सभी सात आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

शिकार में प्रयुक्त सामग्री और चीतल का मांस जब्त

कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से लगभग 500 ग्राम पका हुआ चीतल का मांस, नायलॉन की रस्सी, तीन कुल्हाड़ियां, स्टील के तार एवं लकड़ी से बने फंदे तथा खून से सना थैला बरामद कर जब्त किया गया। आरोपियों के विरुद्ध वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई।

सघन निगरानी और गश्त से मिल रही सफलता

वन विभाग और वन विकास निगम द्वारा संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित गश्त, सूचना तंत्र को मजबूत करने तथा विशेष निगरानी अभियान चलाने के कारण वन्यजीव अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हो रहा है। विभाग की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से अवैध शिकार करने वालों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

वन्यजीव संरक्षण के लिए सरकार की स्पष्ट नीति

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्राकृतिक संसाधनों और वन्यजीवों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। वन मंत्री केदार कश्यप के निदेर्शानुसार वन विभाग आधुनिक निगरानी व्यवस्था, नियमित गश्त और प्रभावी सूचना तंत्र के माध्यम से वन्यजीव अपराधों पर अंकुश लगाने का कार्य कर रहा है। सरकार का स्पष्ट संदेश है कि वन्यजीवों का अवैध शिकार करने या प्राकृतिक संपदा को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। वन मंत्री कश्यप ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वन्यजीवों के संरक्षण में अपनी भागीदारी निभाएं। यदि कहीं भी अवैध शिकार या वन अपराध की जानकारी मिले तो उसकी सूचना तत्काल वन विभाग को दें

पशु सखी बन आत्मनिर्भर हुईं तैलासो राजवाड़े, हर माह 10 से 15 हजार रुपये की आय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़कर ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है। इसी का प्रेरक उदाहरण जिले के विकासखंड अंबिकापुर की तैलासो राजवाड़े हैं, जो महादेव स्वयं सहायता समूह, रोशनी ग्राम संगठन (वीओ) एवं समृद्ध सरगुजा संकुल से जुड़ी हुई हैं। वे पिछले दो वर्षों से पशु सखी के रूप में कार्य करते हुए आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनी हैं और अपने परिवार की जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रही हैं। तैलासो राजवाड़े ने बताया कि बिहान योजना से जुड़ने के बाद उन्हें आजीविका का सशक्त माध्यम मिला। वर्तमान में वे पशुपालकों को बकरियों की देखभाल, टीकाकरण के प्रति जागरूकता, समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण एवं आवश्यक दवाइयों की जानकारी उपलब्ध कराती हैं। इस कार्य से उन्हें प्रतिमाह लगभग 10 से 15 हजार रुपये की आय प्राप्त हो रही है, जिससे उनके परिवार का भरण-पोषण एवं बच्चों की पढ़ाई सुचारु रूप से चल रही है। उन्होंने बताया कि उनके तीन बच्चे हैं, जिनमें बड़ा बेटा कक्षा 12वीं, दूसरा कक्षा 10वीं तथा सबसे छोटा कक्षा 8वीं में अध्ययनरत है। पहले आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, लेकिन आज स्वयं की आय से वे परिवार की आवश्यकताओं को पूरा कर पा रही हैं।

पति को पेड़ से बांध कर महिला से दुराचार, 4 गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। पेड़ से बांध कर पति के सामने महिला से दुष्कर्म का मामला सामने आया है।मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।बताया गया है कि रामानुजनगर थाना क्षेत्र के दुर्गापुर जंगल मे यह घटना तब हुई है,जब पति पत्नी बाजार से लौट रहे थे और जंगल मे कथित रूप से महंगई के ऋषु यादव, सहित तीन अन्य ने मिल कर शराब के नशे में दुर्गापुर भैंसवारी पारा के पति को पेड़ में बांधकर पत्नी को उठाकर सामूहिक दुराचार किया।

पीड़ित महिला 4 बच्चे की मां है। आरोपी पूर्व में डेढ़ साल पहले गोलीकांड में सजा काट चुके हैं। महिला की रिपोर्ट पर शुक्रवार को रामानुजनगर पुलिस चारों आरोपियों को महंगई से गिरफ्तार कर लिया है।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक 06 जुलाई को

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक 06 जुलाई 2026 को समय-सीमा की बैठक पश्चात आयोजित की गई है।

कलेक्टर ने समिति के सदस्यों को समय पर उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं गुणवत्ता के दिए निर्देश

जिपं सभाकक्ष में हुई ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शनिवार को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में जिपं सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले सहित विभागीय अधिकारी एवं मैदानी अमला उपस्थित रहा। उस दौरान मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना व स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, महतारी सदन निर्माण सहित पंचायतों में संचालित विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रत्येक स्वीकृत आवास की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए तथा निर्माण कार्य की दैनिक प्रगति पर सतत निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि तकनीकी अमला प्रतिदिन निर्माणाधीन आवासों का स्थल निरीक्षण करे तथा निर्माण कार्य के दौरान आने वाली तकनीकी समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करे, जिससे कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण हो सके। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजेंद्र सिंह पाटले ने महतारी सदन योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन भवनों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत संचालित गतिविधियों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से ग्राम पंचायतों में स्वच्छता संबंधी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत को स्वच्छता के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान दिलाने के लिए सतत प्रयास करने के निर्देश दिए। बैठक में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, ठोस एवं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, व्यक्तिगत शौचालय निर्माण, सामुदायिक एवं सार्वजनिक स्थलों पर सोकपिट निर्माण, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, ग्रामीण अभियांत्रिकी सेवा तथा अन्य विभागीय योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में उप संचालक पंचायत, कार्यपालन अभियंता आरईएस, एपीओ मनरेगा, डीसी आवास, डीपीएम बिहान, सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, एसडीओ, सहायक अभियंता, उप अभियंता, तकनीकी सहायक, बीएफटी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एक-एक आवास की नियमित करें मॉनिटरिंग

कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर अधिकारियों को योजना के शत-प्रतिशत एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवास योजना शासन की प्राथमिकता वाली योजना है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक पात्र परिवार को सुरक्षित एवं सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना है। इसलिए सभी अधिकारी पूरी संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करें। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि प्रत्येक स्वीकृत आवास की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा निर्माण कार्य की प्रगति पर प्रतिदिन नजर रखी जाए। उन्होंने कहा कि तकनीकी अमला प्रतिदिन निर्माणाधीन आवासों का भ्रमण करे और फील्ड में आने वाली तकनीकी समस्याओं का तत्काल निराकरण सुनिश्चित करे, ताकि किसी भी कारण से निर्माण कार्य बाधित न हो।उन्होंने सभी जनपद पंचायतों को प्रतिदिन आवास चौपाल आयोजित करने के निर्देश देते हुए कहा कि हितग्राहियों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का मौके पर समाधान किया जाए। जमीनी अमले की कार्यप्रणाली की नियमित समीक्षा की जाए तथा प्रगति के आधार पर आवश्यक मार्गदर्शन और जवाबदेही तय की जाए।

सिविल कालोनी में दफ्तर से लोग परेशान

घरों के सामने खड़ी गाड़ी बन रही मुसीबत का सबब

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शहर के अत्यंत रिहायशी मोहल्ले में जीएसटी दफ्तर से मोहल्ले के लोग हलाकान है। दफ्तर से लोगो को परेशानी कम है लेकिन इस दफ्तर के कारण वाहनों की आवाजाही और घरों के सामने वाहनों के खड़े कर देने से लोगो का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है।

बताया जाता है कि नगर सिविल कालोनी में जीएसटी का दफ्तर खुला है।जहाँ दिन भर लोगो और वाहनों की आवाजाही से लोग परेशान है।इतना ही नही लोगो के घर व दरवाजा के सामने लोग घण्टो गाड़ी पार्क कर दफ्तर में चले जाते है।इससे लोगो का घर से निकलना दुश्वार हो जा रहा है। वाहन मालिक को खोजो फिर उनसे मिन्नत करो तब कहीं जाकर कालोनी के लोग घर से निकल पा रहे है।हद तो तब है जब पिछले कई दिनों से जीएसटी द्वारा कथित रूप से जब्त ट्रक एक अधिवक्ता के घर के सामने खड़ी है जिसका कोई माई बाप नही है।अब ऐसे में अधिवक्ता हलाकान है।चालक कह रहा में क्या करूँ में मेरे पास चाबी नही है जबकि जीएसटी के अफसर कुछ कर नही रहे।इस तरह से परेशान मोहल्ले के लोगो मे भारी आक्रोश है और अब वे इस रिहायशी मोहल्ले में दफ्तर का ही विरोध शुरू करने के मूड में है।लोगो ने प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित कर पहल करने की मांग की है।

मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए स्वास्थ्य शिविर,लोग हुए लाभान्वित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के ओड़गी ब्लॉक अंतर्गत बैजनपाठ में मौसमी बीमारियों की रोकथाम और उपचार के लिए एक विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिला कलेक्टर रेना जमील के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर से सैकड़ों ग्रामीणों ने लाभ उठाया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. के डी पैकरा और खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय चौहान के निर्देशन में, शिविर प्रभारी डॉ. विकास दुबे के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान ब्लड जांच की सुविधा भी उपलब्ध थी और आवश्यक दवाएं मुफ्त वितरित की गईं। मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए ग्रामीणों को महत्वपूर्ण परामर्श भी दिया गया।

इस अवसर पर डॉ. चंद्रकला मिंज, डॉ. मोनाली, सतीश साहू, दीपक साहू, सीतारावती, निशा, संगीता, सुपरवाइजर अजीत राय, मनीष प्रताप, विद्यालय के शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं, मितानिन और स्थानीय ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस पहल से क्षेत्र में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ी है और मौसमी बीमारियों से लड़ने में मदद मिलेगी।

बीट पुलिसिंग मजबूत करने पंचायत भवन में लगे बीट प्रभारियों के नाम व मोबाईल नंबर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में बीट पुलिसिंग को मजबूत करने डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने कार्यशाला का आयोजन कर थाना-चौकी व बीट प्रभारियों को बुनियादी पुलिसिंग को सुदृढ़ करते हुए जनता में सुरक्षा की भावना को बढ़ाने, जनता की शिकायतों को नम्रतापूर्वक सुनते हुए पेशेवर एवं गरिमापूर्ण व्यवहार सुनिश्चित के साथ ही जिले के सभी पंचायतों व प्रमुख स्थानों पर थाना-चौकी, बीट प्रभारियों के नाम सहित मोबाईल नंबर का पोस्टर चश्पा कराने के निर्देश दिए थे।

जिले के 22 थाना-चौकी क्षेत्रों के 72 बीट के 558 ग्रामों में थाना-चौकी प्रभारियों के द्वारा निर्देशों का क्रियान्वयन किया गया है जिसका जायजा लेने शुक्रवार को डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर स्वयं खड़गवां के पंचायत भवन पहुंचे जहां पहले से ही चौकी प्रभारी व बीट प्रभारी, कर्मचारियों के नाम व मोबाईल नंबर की जानकारी चश्पा की जा चुकी थी। इस दौरान उन्होंने कहा कि बीट पुलिसिंग को मजबूत करने की इस मुहिम से अब आम जनता पुलिस तक आसानी से पहुंच बनाते हुए अपनी समस्या को बताकर निराकरण करा सकेंगे। क्षेत्र की अवैध गतिविधियां की सटीक जानकारी मिल सकेगी जिससे अपराधों पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाया जायेगा। बीट आरक्षक क्षेत्र में नियमित भ्रमण कर आम नागरिकों के साथ निरंतर संवाद स्थापित करेंगे, महिला सुरक्षा पर विशेष फोकस रहेगा, स्कूल-कालेज में जाकर सुरक्षा, यातायात नियमों एवं नशे से बचाव के प्रति जागरूकता के आयोजन होंगे, असामाजिक तत्वों और संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी बढ़ाई जायेगी, अपराधों पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाने हर संभव प्रयास किए जायेंगे ताकि पुलिस-जनता के बीच आपसी विश्वास और मजबूत हो सके।

शहर के चम्बोथी तालाब में कलेक्टर ने श्रमदान कर दिया स्वच्छता का संदेश

तालाबो में गंदगी फैलाने वालों पर समझाइश के बाद जुर्माना का निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। स्वच्छ भारत मिशन एवं स्वच्छ नगर की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में यहां जिला मुख्यालय के बाजारपारा स्थित चम्बोथी तालाब में शनिवार को कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के नेतृत्व में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर सामूहिक श्रमदान किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुसुमलता राजवाड़े, उपाध्यक्ष शैलेश अग्रवाल, पार्षद प्रमोद तायल, नगर पालिका व अन्य विभाग के संबंधित अधिकारी कर्मचारियों तथा नागरिकों के साथ श्रमदान कर तालाब परिसर की साफ-सफाई की गई। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने स्वयं ग्लव्स पहनकर झाड़ू लगाया और कचरा उठाकर स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने उपस्थित नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि नगर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाए रखने में प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि सभी नागरिक दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ आगे आएं, तो सूरजपुर स्वच्छता के क्षेत्र में न केवल प्रदेश बल्कि देश में भी अलग पहचान बना सकता है।

अभियान के दौरान कलेक्टर ने नपा सीएमओ को निर्देशित किया कि तालाब सहित नगर के अन्य सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने एवं कचरा फेंकने वालों को पहले उचित कचरा प्रबंधन के लिए समझाइश दी जाए। इसके बाद भी सुधार नहीं होने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध जुर्माना वसूली की कार्रवाई की जाए। उन्होंने आवश्यकता पड़ने पर निगरानी के लिए कैमरों के उपयोग की भी बात कही। कलेक्टर ने जलस्रोतों की नियमित सफाई, तालाब परिसर के सौंदर्यीकरण तथा चारों ओर पौधरोपण कराने के निर्देश दिए, ताकि परिसर स्वच्छ, हरित और आकर्षक बने। साथ ही मटन मार्केट के दुकानदारों द्वारा इधर-उधर अवशेष फेंककर फैलायी जा रही गंदगी पर भी नाराजगी व्यक्त करते हुए सीएमओ को तत्काल सफाई सुनिश्चित कराने तथा भविष्य में गंदगी फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान बड़ी संख्या में नगर के जनप्रतिनिधि, नगरवासी व अधिकारी कर्मचारियों ने सामूहिक श्रमदान किया।

सीमा पर जांच में नहीं चलेगी ढिलाई, प्रत्येक वाहन की सघन जांच सुनिश्चित करें : कलेक्टर

★ अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट पर कलेक्टर का औचक निरीक्षण
★ अवैध परिवहन पर कड़ी नजर रखने दिए निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने रामानुजगंज स्थित अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट का औचक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने चेक पोस्ट पर संधारित जांच पंजी का अवलोकन किया तथा प्रतिदिन की जा रही जांच प्रक्रिया की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने चेक पोस्ट पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति तथा उनके कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने खनिज एवं कृषि उपज मंडी विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि चेक पोस्ट से गुजरने वाले प्रत्येक वाहन की सघन एवं बारीकी से जांच सुनिश्चित करें, ताकि किसी भी प्रकार के अवैध परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और निष्ठा के साथ करें। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि शासकीय कार्यों एवं जांच प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। साथ ही उन्होंने जांच व्यवस्था को और अधिक बेहतर करने के निर्देश भी दिए।

पीएम जनमन आवास योजना से पीव्हीटीजी परिवारों को मिल रहा सुरक्षित आवास

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजाति समुदायों को विभिन्न प्रकार की शासकीय योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। पीएम जनमन आवास योजना विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय के जीवन में न केवल सुधार ला रहा है, बल्कि पक्के मकान के सपनों को भी साकार कर रहा है।

जिले के विकासखंड राजपुर के ग्राम पंचायत चांची के निवासी श्री एतवा राम ने बताया कि वे अपने परिवार के साथ वर्षों से कच्चे मकान में रह रहे थे। उनका परिवार रोजी मजदूरी कर जीवन यापन करता है। उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं होने के कारण पक्का मकान बनाना उनके लिए चुनौती था। बरसात में टपकती छत, सर्दियों की ठिठुरन और गर्मियों की तपन उनके परिवार के लिए हमेशा की मजबूरी बनी रही। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उनके पक्के घर का सपना साकार नहीं हो पा रहा था। उन्हें प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के अंतर्गत आवास की स्वीकृति मिली। समय पर राशि और सामग्री उपलब्ध होने से उनका मकान बनकर तैयार हुआ और आज वे अपने परिवार के साथ सुरक्षित पक्के घर में रह रहे हैं। श्री एतवा राम कहते हैं कि नए घर ने मुझे जीवन की सबसे बड़ी खुशी दी है। अब मेरा परिवार मौसम की मार से सुरक्षित है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना का उद्देश्य विशेष पिछड़ी जनजातीय परिवारों को पक्का और सुरक्षित घर उपलब्ध कराना है। इस योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को आर्थिक सहायता दी जाती है, ताकि वे अपना घर स्वयं बना सकें और गरिमामय जीवन जी सकें।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

निजी स्कूलों के लिये शासन द्वारा जारी अधिनियम का कड़ाई से पालन करायें

शिक्षा विभाग की बैठक में विभागीय कार्यों एवं योजनाओं के क्रियान्वयन पर विस्तृत समीक्षा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा संभाग के संयुक्त संचालक शिक्षा संजय गुप्ता की अध्यक्षता में शुक्रवार को सर्व बीईओ, एबीईओ, प्राचार्य एवं संकुल प्राचार्य शासकीय हाईस्कूल उमावि, सेजेस, पीएमश्री, सर्व विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक, संकुल स्त्रोत समन्वयक, अधीक्षिका कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, प्रधान पाठक पीएमश्री, इग्नाईट विद्यालय की विभागीय कार्यों एवं योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु बैठक शासकीय बहु उ.मा. विद्यालय के सभाकक्ष में हुई। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी दिनेश झा एवं विभाग के समस्त अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस दौरान संलग्न कर्मचारियों को तत्काल कार्यमुक्त करते हुये कार्यालय में जानकारी प्रस्तुत करने हेतु विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया। अपार आईडी निर्माण के प्रगति की जानकारी ली गई जन्म प्रमाण पत्र के आधार पर सुधार एवं नया आधार बनाने की जानकारी नोडल अधिकारियों को कार्यालय को प्रस्तुत करने कहा गया। इन्हें निजी स्कूलों की मान्यता एवं फीस संबंधी शासन के द्वारा जारी किये गये अधिनियम की विस्तृत जानकारी रखने एवं उसका कड़ाई से पालन कराने की हिदायत दी गई। समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि व्हीएसके एप अंतर्गत शिक्षकों एवं कर्मचारियों का पंजीयन पूर्ण करें। इसमें प्रतिदिन उपस्थिति के आधार पर ही वेतन भुगतान किया जाएगा।

बैठक में भवन विहीन एवं जर्जर विद्यालय, एकल शिक्षकीय व शिक्षक विहीन विद्यालयों में अतिशेष शिक्षकों को समायोजित करने हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। बैठक में गणवेश, पाठ्य पुस्तकों के वितरण की जानकारी ली गई तथा समस्त अधिकारियों एवं सीएसी को शत-प्रतिशत वितरण कार्य पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया। सायकलों को एसेंबल करके सुव्यवस्थित ढंग से वितरण करने और कोई भी सायकल खुले में नहीं रखने कहा गया, जिससे जंग लगने एवं खराब होने की स्थिति बने। लंबे समय से अनुपस्थित शिक्षकों एवं कर्मचारियों के विरूद्ध तत्काल विभागीय जांच की कार्रवाई पूर्ण कर बर्खास्तगी की कार्रवाई करने हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करने निर्देशित किया गया। ऐसे विद्यालय जहां दर्ज संख्या 50 से अधिक हैं इन विद्यालयों में अनिवार्य रूप से एलपीजी का उपयोग शत-प्रतिशत करने निर्देशित किया गया।

सुशासन तिहार के आवेदनों का तत्काल निराकरण करने हेतु विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया। पेयजल विहीन विद्यालयों की जानकारी कार्यालयीन शाखा प्रभारी के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया। कस्तूरबा गांधी एवं नई दिशा घुमन्तु आवासीय विद्यालय के संचालन की स्थिति की जानकारी ली गई, अधीक्षिकाओं को निर्देशित किया गया कि वे विद्यालय में ही रहें, किसी भी प्रकार से बाहरी असामाजिक तत्व प्रवेश न करें। कस्तूरबा में विषयवार शिक्षकों की उपलब्धता एवं रिक्त पद की जानकारी ली गई। यदि किसी विषय के शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं तो तत्काल इसकी सूचना कार्यालय में देने हेतु निर्देशित किया गया, ताकि अध्यापन व्यवस्था में कोई व्यवधान न हो। साथ ही विद्यालय के परीक्षाफल 2025-26 की जानकारी चाही गई। पीएमश्री विद्यालयों के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। विद्यालयों में लाइब्रेरी/मुस्कान पुस्तकालयों के संचालन की स्थिति सहित अन्य बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई।

बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु कार्ययोजना पर जोर

बैठक में शाला प्रवेश उत्सव 2026-27 के सफल आयोजन के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गये। शिक्षा का अधिकार अधिनियम अंतर्गत प्रवेशित बच्चों के ड्रॉप आउट होने के संबंध में चर्चा की गई। इस दौरान कक्षा पहली, 6 वीं, 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश, समस्त विद्यालयों में शासन के निर्देशानुसार प्रार्थना सभा के संचालन पर चर्चा करके इसका कड़ाई से पालन करने कहा गया। एससीईआरटी से प्राप्त वार्षिक कैलेण्डर के क्रियान्वयन, सभी विद्यालयों में न्यूज डेस्क का संचालन करने, मध्यान्ह भोजन संचालन, प्रतिमाह यूनिट टेस्ट, तिमाही, छमाही परीक्षा के आयोजन एवं वार्षिक परीक्षा की तैयारी, बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु कार्य योजना की जानकारी ली गई।

शिक्षकों के रिक्त पद, अनुकंपा/पेंशन प्रकरणों पर चर्चा

अनुकंपा एवं पेंशन प्रकरणों के संबंध में चर्चा दौरान सर्व विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने स्तर से संबंधित प्रकरणों का तत्काल निराकरण करते हुये कार्यालय में जानकारी प्रस्तुत करें। संचालनालय समग्र शिक्षा से स्वीकृत निर्माण कार्यों के प्रगति की जानकारी ली गई। छात्रवृत्ति पंजीयन 2026 पर चर्चा की गई, नोडल अधिकारी ने अवगत कराया कि 3171 प्रकरण कार्यालय को प्राप्त नहीं होने के कारण लंबित हैं। इस पर विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को तत्काल चेक करने एवं निराकरण कराने हेतु निर्देशित किया गया। स्तरवार शिक्षकों के रिक्त पद पर चर्चा की गई तथा अतिथि शिक्षक, व्याख्याता की व्यवस्था हेतु जानकारी दी गई। सेजेस विद्यालयों के गतिविधियों एवं रिक्त पदों के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

शाला त्यागी बच्चों का चिन्हांकन करके प्रवेश करायें

समावेशी शिक्षा अंतर्गत दिव्यांग बच्चों को उपकरण एवं दिव्यांगता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने के संबंध में चर्चा की गई। बालवाड़ी संचालन की स्थिति की विस्तृत समीक्षा, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र की प्रगति की जानकारी ली गई। शाला त्यागी बच्चों को मुख्य धारा से जोड़ने पर विस्तृत चर्चा की गई तथा शाला त्यागी बच्चों का चिन्हांकन कर तत्काल प्रवेश कराये जाने हेतु सीएसी को निर्देशित किया गया। पीव्हीटीजी छात्र-छात्राओं के शिक्षा की निरंतरता पर चर्चा की गई तथा पीव्हीटीजी के बच्चों को प्राथमिकता से विद्यालयों में प्रवेश कराने एवं अध्यापन की समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।

सीएम तक दौड़ लगाने के बाद विचार करके अवगत कराने का मिला आश्वासन

मामला अमेरा परियोजना के लिये 143 भूमि स्वामियों की जमीन और मुआवजा से जुड़ा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। एसईसीएल अमेरा परियोजना के लिये 30.05.2026 को 143 भूमि स्वामियों को भूमि के एवज में मुआवजा संबंधी नोटिस पोस्टमैन के माध्यम से ग्राम पंचायत कटकोना को मिला, इससे ग्रामीणों में आक्रोश है। इनका कहना है कि, ग्राम पंचायत कटकोना द्वारा ग्राम सभा में किसी प्रकार का कोई प्रस्ताव पारित नहीं किया गया है। वे अपना जमीन एसईसीएल को नहीं देना चाहते हैं। इस संबंध में आयुक्त सरगुजा संभाग, जिला कलेक्टर, मुख्यमंत्री, नायब तहसीलदार लखनपुर से मुलाकात करके ज्ञापन सौंपकर ग्रामीणों ने अपनी बातों को स्पष्ट किया। ज्ञापन के माध्यम से बताया गया है कि, कोल बेयरिंग एक्ट 1957, 2001 में अधिग्रहण करने की स्थिति में धारा 7, 8, 9 सीबीए तामील की अधिसूचना आज तक ग्राम पंचायत कटकोना को नहीं दी गई है और न ही किसी प्रकार का व्यक्तिगत सूचना उन्हें मिला है। वर्ष 2001 से 2026 के बीच 25 साल में न तो कब्जा लिया गया, न उन्हें मुआवजा दिया गया, ऐसे में वर्ष 2001 का अधिग्रहण कानूनी तौर पर निरस्त हो चुका है। ग्रामीणों ने कहा है कि, धारा 24 के अनुसार यदि नोटिस सामान्य प्रकृति का था तो उसका राजपत्र में, और स्थानीय स्तर पर निर्धारित तरीके से प्रकाशन होना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके

अलावा संविधान के अनुच्छेद के तहत पेशा एक्ट, पांचवीं अनसूचित क्षेत्र का उल्लेख करते हुये संवैधानिक अधिकारों से उन्हें वंचित नहीं करने का आग्रह किया गया है। इस पर शासन-प्रसाशन द्वारा कोई ठोस आश्वासन ग्रामीणों को नहीं दिया गया, विचार करके अवगत कराने कहा गया। इस दौरान ग्राम पंचायत कटकोना की सरपंच पुष्पा सिंह पैकरा, उपसरपंच शिवकुमारी राजवाड़े, भूतपूर्व सरपंचों में सुमित मरकाम और दिनेश पैकरा, दशोदी सिंह सामाजिक कार्यकर्ता एवं ग्राम पंचायत कटकोना की पटेल, बलदेव प्रसाद सामाजिक कार्यकर्ता, पंच हरि सिंह पैकरा, अंबिका प्रसाद यादव, खिलावन प्रसाद, पंच प्रतिनिधि रामचंद्र मरकाम, रमेश कुमार राजवाड़े, देवनारायण सिंह, हरी रजवाड़े, राजकुमार रजवाड़े सहित अन्य ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

एंबुलेंस पर कहर बनकर टूटा तेज रफ्तार ट्रक, चालक-ईएमटी घायल

रिफर मरीज को लेकर जा रहे थे अंबिकापुर

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिला मुख्यालय में शनिवार को एक तेज रफ्तार ट्रक ने बलरामपुर जिला चिकित्सालय से रिफर मरीज को मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर ले जा रहे संजीवनी 108 एंबुलेंस को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर में एंबुलेंस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना दिन में करीब 11 बजे अस्पताल चौक के पास हुई, जिससे अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। घटना में चालक और ईएमटी घायल हो गये। जानकारी के मुताबिक संजीवनी 108 एंबुलेंस क्रमांक सीजी 04 क्यू एक्स 4452 में चालक राहुल यादव एवं ईएमटी सुदामा सिंह, महकेपी निवासी 30 वर्षीय मरीज जितेंद्र यादव और उनके स्वजन को लेकर अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज संबद्ध अस्पताल ले जाने के लिए रवाना हुए थे। जैसे ही एंबुलेंस अस्पताल चौक पर पहुंची, रामानुजगंज की ओर से आ रही तेज रफ्तार ट्रक क्रमांक सीजी

30 जे 9665 के चालक ने लापरवाही पूर्वक ओवरटेक करने के प्रयास में एंबुलेंस को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एंबुलेंस चालक राहुल यादव और ईएमटी सुदामा सिंह घायल हो गए, जबकि एंबुलेंस में सवार मरीज और उनके स्वजन बाल-बाल बच गए। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने तत्काल घायलों को जिला चिकित्सालय पहुंचाया। मरीज को बिना समय गंवाए दूसरी एंबुलेंस से अंबिकापुर के लिये रवाना किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक अत्यधिक तेज गति में था। अस्पताल चौक पर पर्याप्त जगह होने के बावजूद चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए एंबुलेंस को टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बलरामपुर सिटी कोतवाली पुलिस सक्रिय हुई और ट्रक चालक सहित ट्रक वाहन को जब्त करके मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रथम दृष्टया ट्रक चालक की तेज रफ्तार और लापरवाही ो हादसा होना माना जा रहा है।

जूनियर ओपन बास्केटबॉल चैंपियनशिप के दूसरे दिन रोमांचक मुकाबले

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ के तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय बास्केटबॉल जूनियर ओपन चैंपियनशिप 2026 के दूसरे दिन गांधी स्टेडियम स्थित बास्केटबॉल ग्राउंड में रोमांचक मुकाबले खेले गए। खिलाड़ियों ने शानदार खेल भावना, अनुशासन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय देते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

दूसरे दिन खेले गए मुकाबलों में आईपीएस क्लब एवं मॉन्टफोर्ट स्कूल के बीच हुए मैच में आईपीएस क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। वहीं सरगुजा टाइटंस एवं माउंट लिट्रा जी स्कूल के बीच खेले गए मुकाबले में माउंट लिट्रा जी स्कूल ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। एक अन्य मुकाबले में सरगुजा टाइगर एवं ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल के बीच हुए रोमांचक मैच में सरगुजा टाइगर ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए विजय प्राप्त की। अन्य मैच जारी है। शनिवार को हुये मुकाबलों के दौरान इंजी. सोमनाथ सिंह, डी.के. सोनी, जितेंद्र बिंदु, गौरव सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ के खिलाड़ियों के साथ ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, दशमेश पब्लिक स्कूल, मॉन्टफोर्ट स्कूल, माउंट लिट्रा जी स्कूल सहित अन्य विद्यालयों के खिलाड़ियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। ऐसे प्रतिभावान खिलाड़ियों को सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ द्वारा बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी और उन्हें नि:शुल्क नियमित अभ्यास का अवसर दिया जाएगा। आने वाले समय में जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए भी इन खिलाड़ियों को विशेष प्रोत्साहन एवं हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा, ताकि जिले की अधिक से अधिक प्रतिभाएं आगे बढ़कर सरगुजा का नाम रोशन कर सकें। प्रतियोगिता में रजत सिंह, आकाश गुप्ता, बबीता तिग्गा, अनुपमा तिर्की, प्रिया जायसवाल, खुशबू गुप्ता, प्रज्ञा मिश्रा, रिमझिम एवं अभिषेक निर्णायक एवं तकनीकी अधिकारियों के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

आपसी विवाद पर गैती से हमला करके हत्या करने वाला जेल दाखिल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिला के लुण्ड्रा थाना पुलिस ने हत्या के मामले में आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। आपसी वाद-विवाद होने पर आरोपी ने मृतक पर गैती से प्राणघातक हमला कर दिया था। जानकारी के मुताबिक, तिलसाय निवासी ग्राम राईखुर्द ने थाना लुण्ड्रा में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि वे 6 भाई बहन हैं। उसका तीसरे नंबर का भाई जीतू नागेश 2 जुलाई को सुबह करीब 8 बजे अपने खेत में हल जोताई करने गया था। 10.15 बजे उसे पता चला कि उसके भाई जीतू नागेश को गांव का झकड़ी उर्फ बुधराम बरगाह गैंता से गंभीर चोट पहुंचाया है, खून निकल रहा है। सूचना पाकर वह घर आया तो पता चला कि जीतू को परिवार और रिश्तेदार मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर ले गये हैं, कुछ देर उसकी मृत्यु होने की सूचना मिली। रिपोर्ट पर थाना लुण्ड्रा में धारा 103(1) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध करके पुलिस ने जांच, विवेचना में लिया। पुलिस टीम ने

घटनास्थल का निरीक्षण कर प्रार्थी एवं गवाहों का कथन लिया और भौतिक एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्य प्राप्त करने के बाद झकड़ी उर्फ बुधराम बरगाह पिता स्व. सोमार साय 60 वर्ष, निवासी राईखुर्द से घटना के संबंध में पूछताछ किया तो उसने आपसी विवाद में गैती से हमला करके हत्या करना स्वीकार किया। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त गैती को पुलिस ने जप्त किया है। पुलिस ने आरोपी को प्रकरण मे गिरफ्तार करके न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी लुण्ड्रा निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, सहायक उप निरीक्षक नारायण सिंह, आरक्षक इबनुल खान, राजकुमार यादव, दिलीप मिंज सक्रिय रहे।

कुएं में गिरकर जख्मी हुये युवक की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शौच के लिये घर से बाहर निकला ग्रामीण कुएं में गिरकर जख्मी हो गया, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक, सूरजपुर जिला के भैयाथान विकासखंड अंतर्गत ग्राम गंगोटी बासरपारा निवासी कृष्ण कुमार पिता स्व. धरमपाल 29 वर्ष, शुक्रवार की रात को करीब 11 बजे शौच जाने के लिये घर से बाहर निकला और रात के अंधेरे में घर के पास स्थित कुएं में गिर गया। कुएं में कुछ गिरने की आवाज सुनकर स्वजन बाहर निकले, और युवक को कुएं से बाहर निकाल कर सूरजपुर जिला अस्पताल ले गये। यहां से उपचार के बाद रिफर करने पर मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराये थे, यहां इलाज के दौरान तड़के 3 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

स्कार्पियो हुई पंचर, गौवंश सहित वाहन को छोड़कर भागे तस्कर

छ.ग.फ्रंटलाइन कसुमी। स्थानीय पुलिस ने स्कार्पियो वाहन में क्रूरतापूर्वक बांधकर रखे गये 5 नग गाय-बैल को बरामद कर लिया है। गौवंश को वध करने के लिये बूचड़खाना झारखण्ड की ओर अज्ञात व्यक्ति ले जा रहे थे, जो स्कार्पियो वाहन के पंचर होने पर गौवंश सहित वाहन को छोड़कर भाग गये। ग्राम कोदवा के सरपंच की सूचना पर पुलिस ने मामले में छ.ग. कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई की है, और वाहन को जब्त कर लिया है। पुलिस स्कार्पियो वाहन में सवार लोगों को तलाश रही है। जानकारी के मुताबिक, बलरामपुर जिला के कुसमी थाना अंतर्गत ग्राम कोदवा निवासी सरपंच विजय पैकरा को 3 जुलाई की सुबह करीब 6 बजे गांव के कुंवर राम पैकरा ने फोन करके बताया कि उसके घर के पास मुख्य मार्ग के किनारे एक स्कार्पियो वाहन में 5 गाय-बैल हैं, जिन्हें क्रूरतापूर्वक ठूंस-ठूंसकर वध के लिये बूचड़खाना झारखण्ड की ओर ले जाया जा रहा है। गाड़ी का टायर पंचर हो जाने के कारण गाड़ी को छोड़कर सवार भाग गये हैं। इसकी जानकारी मिलने पर सरपंच गांव के लोगों के साथ मौके पर जाकर देखा तो एक सिल्वर कलर की स्कार्पियो वाहन क्रमांक जेएच 01 क्यू 7595 में गाय-बैल को क्रूरतापूर्वक रस्सी में बांधकर रखा गया था। गाड़ी का एक टायर पंचर था। इसकी सूचना सरपंच ने फोन करके थाने में दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने वाहन में क्रूरतापूर्वक बांधकर रखे गये गौवंश को ग्रामीणों के माध्यम से उतरवाया और वाहन को जब्त करके अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

अणुव्रत विश्व भारती ने 'आओ जिंदगी की बात करें' कार्यक्रम का आयोजन किया

छ.ग.फ्रंटलाइन प्रतापपुर। शासकीय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय (हिंदी माध्यम) जरही विकासखंड प्रतापपुर में अणुव्रत विश्व भारती ने आओ जिंदगी की बात करें, अंतर्गत नशा मुक्ति का संदेश देते कार्यक्रम का आयोजन किया। विद्यालय के प्रभारी फ्रिदा केरकेट्टा की अनुमति से आयोजित इस कार्यक्रम में निबंध, चित्रकला, भाषण और वाद-विवाद को समाहित किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान स्पीकर के रूप में पूर्व छत्तीसगढ़ शासन बोर्ड की सदस्य नीलूबाला जैन उपस्थित रहीं। उन्होंने अनुभवों की अभिव्यक्ति देते हुये ड्रग्स में केमिकल की उपस्थिति और रिएक्शन, शराब पीने के दुष्प्रभाव, याददाश्त कमजोर होने, सिगरेट पीने वाला दस साल पीछे कैसे, जैसे उदाहरणों और स्वामी विवेकानंद की सूक्तियों से बच्चों को जागरूक किया, और प्रश्नोत्तरी करके इनकी जिज्ञासाओं का समाधान करते हुये गिफ्ट देकर प्रोत्साहन किया। निबंध, चित्रकला, भाषण, वाद-विवाद के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष पुरन राम राजवाड़े द्वारा अणुव्रत विश्व भारती के इस कार्यक्रम की सराहना करते हुये नशा मुक्ति का संकल्प कराया और अणुव्रत विश्व भारती के अन्य प्रकल्पों में भी सहयोग की बात कही। राज्य प्रभारी ममोल कोचेटा ने अणुव्रत विश्व भारती के सभी प्रकल्पों की जानकारी देते हुए बच्चों को सात्विक जीवन जीने की प्रेरणा दी। इस बीच एक बच्ची ने नशे में गाड़ी चलाते हुए अपने चाचा की मृत्यु की घटना को भावुक होकर प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का सफल संचालन संतोष भारती ने और आभार प्रदर्शन दीपेंद्र सिंह ने किया। इस दौरान काफी संख्या में स्कूली बच्चे, शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

नदी में नहाने के दौरान 12 वर्षीय बालक की डूबने से मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर/रामानुजगंज। विकासखंड रामचंद्रपुर के ग्राम विजयनगर में शनिवार को एक हृदय विदारक हादसे में 12 वर्षीय बालक की नदी में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम विजयनगर निवासी एवं अतिथि शिक्षक शिवलाल यादव का छोटा पुत्र विनोद यादव उर्फ डिंपल 12 वर्ष, इस वर्ष कक्षा आठवीं में प्रवेश लिया था।

शनिवार को दोपहर करीब 12 बजे वह घर से लगभग 200 मीटर दूर स्थित बाकी नदी में अपने दो दोस्तों के साथ नहाने के लिये गया था। इस दौरान वह अचानक नदी के गहराई में चला गया और डूबने लगा। बताया जा रहा है कि, एक साथी ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन उसका हाथ छूट गया और विनोद गहरे पानी में समा गया। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। गांव के ही पवन यादव ने साहस का परिचय देते हुए करीब 12 फीट गहरे पानी में उतरकर लगातार खोजबीन की और आधे घंटे बाद बालक के शव को बाहर निकाला। घटना की सूचना मिलते ही विजयनगर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मर्ग कायम करके शव को पोस्टमार्टम और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म और गर्भपात का दवा खिलाने वाला गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। थाना गांधीनगर पुलिस टीम ने दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार करके न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। पीड़िता ने थाना गांधीनगर में 18/11/24 को सुलसुली थाना त्रिकुन्डा जिला बलरामपुर निवासी रमेश कुमार रवि के द्वारा उसके किराये के रूम में आकर शादी करने का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था। पीड़िता ने गर्भ ठहरने पर दवा खिलाकर गर्भपात कराने, बाद में शादी करके साथ में रखने से इंकार करने की जानकारी पुलिस को दी थी, जिस पर पुलिस ने धारा 64 (2) (एम), 89 बी.एन.एस. एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 6 का अपराध पंजीबद्ध करके विवेचना में लिया था, और आरोपित के तलाश में लगी थी। इसी क्रम में पुलिस ने आरोपी रमेश कुमार रवि पिता जगदीश रवि 23 वर्ष, निवासी सुलसुली थाना त्रिकुण्डा जिला बलरामपुर को गिरफ्तार किया और वैधानिक कार्रवाई के बाद नाययिक अभिरक्षा में भेज दिया है। कार्रवाई में थाना गांधीनगर से उप निरीक्षक दिलीप दुबे, सहायक उप निरीक्षक सुभाष ठाकुर, आरक्षक कुंदन पाण्डेय, मदन पैकरा, घनश्याम देवांगन सक्रिय रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर